Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक
संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 45 जयपुर, गुरुवार, 18 जुलाई 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ‘1.50

शहीद बेटे को पिता ने आर्मी कैप पहनकर सैल्यूट किया

भाई को तिरंगे में लिपटा देख बहन बेहोश हुई, शहीद जवानों का अंतिम संस्कार

■ संजीवनी टुडे

जयपुर/झुंझुनूं। जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमले में शहीद राजस्थान के झुंझुनूं जिले के दोनों जवानों का सैन्य सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। जैसे ही दोनों जवान तिरंगे में लिपटकर अपने घर पहुंचे, परिजनों की हिम्मत जवाब दे गई। शहीद बिजेंद्र सिंह दौराता झुंझुनूं के सिंघाना थाना इलाके के खुबा की ढाणी (डुमोली कलां) के रहने वाले थे और अजय सिंह भी इसी इलाके में भैसावता कलां के रहने वाले थे। बिजेंद्र सिंह की पार्थिव देह जब उनके घर पहुंची तो उन्हें देखकर मां बिलख पड़ी। बिजेंद्र सिंह के बेटे ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए। पत्नी अंकिता बार-बार पति के पार्थिव देह से लिपट-लिपटकर रो रही थीं। वहीं, शहीद अजय सिंह की पार्थिव देह देखकर पत्नी शालू कंवर बेसुध हो गईं। अजय सिंह के पिता ने आखिरी दर्शन करने के बाद आर्मी कैप पहनकर बेटे को सलामी दी। भाई को तिरंगे में लिपटा देखकर अजय सिंह की बहन बेहोश हो गई। शहीद बिजेंद्र सिंह के दोनों बेटों को पता नहीं था कि उनके पिता नहीं रहे। अंतिम संस्कार की तैयारी के दौरान वह घर के बाहर दूसरे बच्चों के साथ मिट्टी में खेल रहे थे। शहीद बिजेंद्र की पत्नी अंकिता बार-बार उनकी पार्थिव देह से लिपटने की कोशिश करती रहीं, उन्हें घर वालों ने संभाला।

15 जुलाई को आतंकी हमले में शहीद हुए थे

डोडा जिले में डेसा जंगल के धारी गोटे उरारबागी में राष्ट्रीय राइफल्स और जम्मू-कश्मीर पुलिस सोमवार से ही सर्च ऑपरेशन चला रही थी। इस दौरान आतंकवादी फायरिंग करते हुए भागे। भारतीय सेना के जवानों ने उनका पीछा किया। घना जंगल होने की वजह से आतंकी सुरक्षाबलों को चकमा देते रहे। सोमवार रात करीब 9 बजे फिर गोलीबारी हुई। इसमें बिजेंद्र सिंह और अजय सिंह समेत 5 जवान गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। बिजेंद्र और अजय सेना में राष्ट्रीय राइफल्स में तैनात थे। शहीद बिजेंद्र सिंह के भाई दशरथ सिंह ने 36 घंटों तक शहादत की खबर परिवार से छुपाए रखी। वे खुद भी सेना में हैं। उन्होंने अंतिम संस्कार तक हिम्मत नहीं हारी और परिवार को संबल देते रहे। शहीद बिजेंद्र सिंह के 4 साल के बेटे विहान ने अपने दादा की गोद में बैठकर पिता के अंतिम दर्शन किए। भाई को तिरंगे में लिपटा देख शहीद अजय सिंह की बहन बेहोश हो गईं।

तिरंगा यात्रा में महिलाओं ने किया सैल्यूट

अंतिम संस्कार से पहले शहीदों के सम्मान में झुंझुनूं जिले के मुरादपुर से उनके पैतृक गांवों तक तिरंगा यात्रा निकाली गई। इस यात्रा में भारी भीड़ उमड़ी। यात्रा के दौरान रास्ते में पड़ने वाले गांव के लोग भी सड़क पर निकल आए। कई जगह महिलाओं ने एक साथ खड़े होकर शहीदों को सलामी दी। वहीं, कई लोगों ने जेसीबी पर चढ़कर शहीदों के पार्थिव देह पर फूल बरसाए।

एक साथ आर्मी जॉइन की, एक साथ शहीद हुए

सिक्स राजपूत सेंटर मेरठ के लेफ्टिनेंट अखिल कुमार ने कहा कि बिजेंद्र और अजय की भर्ती 2018 में एक साथ ही हुई थी। 15 जुलाई को दोनों एक साथ ही शहीद हो गए। शहीद बिजेंद्र सिंह की शहादत की खबर उनके छोटे भाई दशरथ सिंह ने 36 घंटे तक अपने सीने में दबाए रखी। जब तक बिजेंद्र की पार्थिव देह घर के पास नहीं आ गई, तब तक घर वालों को इसकी जानकारी नहीं दी गई थी। बिजेंद्र के पिता रामजी लाल बुधवार सुबह घर के पास स्थित खेत में काम कर रहे थे और उनके घर पर अंतिम संस्कार की तैयारी के लिए टेंट लगाया जा रहा था। रामजी लाल ने टेंट लगते हुए देखा तो उन्होंने लोगों से कारण पूछा, तब दशरथ सिंह खुद को रोक नहीं पाए और पिता से लिपटकर जोर-जोर से रो पड़े।

केदारनाथ से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप

मंदिर समिति के अध्यक्ष बोले- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सनसनी न फैलाएं, सबूत है तो कोर्ट जाएं

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने 15 जुलाई को केदारनाथ मंदिर से 228 किलो सोना गायब होने का आरोप लगाया था। इस पर श्री बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेंद्र अजय ने कहा- स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सिर्फ सनसनी फैलाना चाहते हैं। सबूत हैं तो सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट जाएं। अजेंद्र अजय ने कहा- मैं स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का सम्मान करता हूं, लेकिन वे दिनभर प्रेस कॉन्फ्रेंस करते रहते हैं। विवाद खड़ा करना, सनसनी फैलाना और चर्चाओं में बने रहना अविमुक्तेश्वरानंद की आदत है। अगर स्वामी कांग्रेस के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं तो यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्हें अनावश्यक विवाद खड़ा करने और केदारनाथ की गरिमा को ठेस पहुंचाने का कोई अधिकार नहीं है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद 15 जुलाई को मुंबई में थे। उन्होंने दिल्ली में 'केदारनाथ मंदिर' जैसा मंदिर बनाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा- भगवान के हजार नाम हैं, किसी और नाम से मंदिर बनाएं... पूजा करें। जनता को भ्रम में न डालें। क्या दिल्ली में मंदिर बनाने के पीछे राजनीति है, इस पर शंकराचार्य बोले- हमारे धर्म स्थानों पर राजनीति वाले प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा, केदारनाथ धाम से 228 किलो सोना गायब

कर दिया गया और आज तक जांच नहीं हुई। कौन जिम्मेदार है अब वहां घोटाला कर लिया तो दिल्ली में मंदिर बनाएंगे वहां दूसरा घोटाला करेंगे हम यह बर्दाश्त नहीं कर सकते हैं। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद इस बयान के बाद शिवसेना ठउद्ध के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे के घर गए थे। दरअसल, 10 जुलाई को दिल्ली के बुराड़ी स्थित हिरनकी में 'श्री केदारनाथ धाम' नाम से मंदिर का शिलान्यास हुआ। कार्यक्रम में उत्तराखंड के सीएम पुष्कर धामी भी थे। आयोजन समिति ने शिलान्यास कार्यक्रम का जो आमंत्रण पत्र जारी किया, उसमें भगवान शिव और केदारनाथ धाम की फोटो है। नीचे 'केदारनाथ धाम ट्रस्ट दिल्ली' के फाउंडर सुरेंद्र रौतेला की फोटो है। दान और चंदे के लिए क्यूआर कोड भी दिया गया है। शिलान्यास के बाद से ही केदारनाथ धाम के तीर्थ पुरोहित और स्थानीय लोग विरोध कर रहे हैं।

भोले बाबा बोला- होनी को कौन टाल सकता है

जो आया है उसे एक दिन जाना ही है; हाथरस हादसे के बाद पहली बार कासगंज आश्रम पहुंचा

■ संजीवनी टुडे

कासगंज। यूपी में हाथरस हादसे के बाद सूरजपाल उर्फ भोले बाबा बुधवार को पहली बार अपने कासगंज आश्रम पहुंचा। उसके साथ पत्नी प्रेमवती और वकील एपी सिंह भी थे। भोले बाबा ने 2 जुलाई की भगदड़ की घटना पर कहा- मैं बेहद दुखी हूं, लेकिन होनी को कौन टाल सकता है जो आया है, उसे एक दिन जाना ही है। भले ही कोई आगे या पीछे हो। भोले बाबा ने आगे कहा- हमारे वकील डॉ. एपी सिंह और प्रत्यक्षदर्शियों ने हमें एक ज़हरीले स्प्रे के बारे में बताया है। यह सच है कि इसमें कोई साज़िश है। हमें एसआईटी और न्यायिक आयोग पर भरोसा है और हमें उम्मीद है कि सच्चाई सामने आएगी। अभी मैं अपनी जन्मभूमि बहादुर नगर, कासगंज में हूं। मेरे खिलाफ भ्रामक प्रचार करने वालों की अपनी सोच है। जिन परिवारों की हानि हुई है, मेरे सहित आश्रम परिवार संकट की घड़ी में उनके साथ है। बता दें, 2 जुलाई को हाथरस में सिकंदराराऊ के गांव फुलरई में भोले बाबा के सत्संग में हुई भगदड़ में 123 लोगों की जान चली गई थी। कई लोग घायल भी हो गए थे। इस मामले में साकार हरि ऊर्फ भोले बाबा के वकील डॉ. एपी सिंह ने मामले की जांच कर रही कमेटी को शिकायत की कॉपी दी है। वकील एपी

सिंह ने घटना को सुनियोजित बताया था। इसके साथ ही वकील एपी सिंह ने दावा किया था कि हाथरस घटना में जो लोग घायल हुए हैं और जो भी लोग वहां मौजूद थे, उसमें से कुछ लोगों ने साजिशकर्ताओं और उनकी गाड़ी को पहचान लिया है। भोले बाबा उर्फ सूरज पाल एटा जिले के बहादुर नगरी गांव का रहने वाला है। उसकी शुरुआती पढ़ाई एटा जिले में हुई। वह कांशीराम नगर में पटियाली गांव का रहने वाला है। बचपन में पिता के साथ खेती-किसानी करता था। बाद में पुलिस में भर्ती हो गया। उसकी पोस्टिंग यूपी के 12 थानों के अलावा इंटेलिजेंस यूनिट में रही। भोले बाबा अपने समागम में दावा करता है 18 साल की नौकरी के बाद उसने 90 के दशक में वीआरएस ले लिया।

भोले बाबा के आने की सूचना पर आश्रम पहुंची भीड़

हाथरस में हुए हादसे के बाद बाबा ने सत्संग करना बंद कर दिया था। वो लोगों के बीच भी नहीं जा रहा। हादसे के 15 दिन बाद वो फिर से सत्संग करने अपने कासगंज वाले आश्रम पहुंचा। आश्रम में पुलिस टीम तैनात थी।बाबा के आने की सूचना पर तमाम भक्त आश्रम पर पहुंच गए। अपने सत्संग के दौरान बाबा ने भक्तों से कहा- हादसा होने के बाद चरण रज की बात का झूठा प्रचार किया गया। सिकंदराराऊ समेत किसी भी सत्संग में मैंने मंच से इस तरह की बात कभी नहीं कही है।

कर्नाटक में निजी नौकरियों में 100% आरक्षण देने पर विवाद

सरकार ने स्थानीयों को रिजर्वेशन देने का फैसला रोका, कंपनियां बोलीं- बिल से नुकसान होगा

■ संजीवनी टुडे

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार ने प्राइवेट सेक्टर की ए और ककैटेगरी की नौकरियों में स्थानीय लोगों को 100% आरक्षण देने के फैसले पर बुधवार, 17 जुलाई की शाम को अस्थाई रोक लगा दी। मुख्यमंत्री ऑफिस के सूत्रों ने बताया कि सरकार आरक्षण की समीक्षा करेगी और उसके बाद फैसला करेगी। इससे पहले मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। इस फैसले पर विवाद बढ़ा तो 24 घंटे के अंदर ही मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर 100% कोटा बिल को लेकर की गई पोस्ट हटा ली। उन्होंने 16 जुलाई को इसकी घोषणा की थी। सीएम के पोस्ट डिलीट करने पर राज्य के लेबर मिनिस्टर संतोष लाड ने बुधवार दोपहर को सफाई दी, 'कर्नाटक में प्राइवेट कंपनियों की नौकरियों में नॉन-मैनेजमेंट पोस्ट के लिए रिजर्वेशन 75% और मैनेजमेंट लेवल के स्टाफ के लिए 50% तक सीमित है। दरअसल, सिद्धारमैया कैबिनेट ने इसके लिए नियम तैयार कर लिए थे। कैबिनेट ने 16 जुलाई को बिल पास कर दिया। इसे 18 जुलाई को विधानसभा में पेश करने की बात कही जा रही थी। हालांकि उससे पहले ही इस पर बड़ी इंडस्ट्रीज ने विरोध जताया है।

कंपनियों के लिए दो शर्तें

बिल के मुताबिक, योग्य स्थानीय कैंडिडेट उपलब्ध नहीं हैं तो कंपनियों को सरकार या उसकी एजेंसियों के सहयोग से 3 साल के अंदर उन्हें प्रशिक्षित करने के लिए कदम उठाने चाहिए। हालांकि इसमें एक शर्त ये भी जोड़ी गई है कि अगर योग्य कैंडिडेट नहीं मिल रहे हैं तो कंपनियां इस नियम के प्रावधानों में छूट के लिए सरकार के पास आवेदन कर सकती हैं। सरकार की नोडल एजेंसी कंपनी में काम कर रहे कर्मचारियों के रिकॉर्ड्स की जांच कर सकेगी और स्टाफ के बारे में जानकारी हासिल कर सकेगी। अगर कोई भी कंपनी इन प्रावधानों का उल्लंघन करती है तो कंपनी पर जुर्माना लगाया जा सकेगा।

सरकार के फैसले से औद्योगिक घराने नाखुश

प्राइवेट कंपनियों में रिजर्वेशन के कर्नाटक सरकार के फैसले से औद्योगिक घरानों ने नाखुशी जताई है। उनका कहना है कि इस बिल से भेदभाव बढ़ेगा और इंडस्ट्रीज को नुकसान हो सकता है। मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज के अध्यक्ष मोहनदास पई ने विधेयक को असंवैधानिक बताया। उन्होंने कहा- सरकार को आरक्षण को अनिवार्य करने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और हायर एजुकेशन पर ज्यादा खर्च करना चाहिए।

पीएम आवास पर केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज

■ संजीवनी टुडे

बजट को लेकर चर्चा हो सकती है, पीएम मोदी बीजेपी हेडक्वार्टर में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज केंद्रीय कैबिनेट की बैठक होगी। यह मीटिंग पीएम आवास पर सुबह साढ़े 10 बजे से शुरू होगी। न्यूज एजेंसी ने यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बैठक में केंद्रीय बजट 2024 पर चर्चा की जाएगी। इसके लिए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू अलग-अलग राजनीतिक दलों के नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। बजट सत्र 22 जुलाई से शुरू होकर 12 अगस्त को समाप्त होगा। इसके अलावा प्रधानमंत्री आज शाम 6 बजे भाजपा मुख्यालय भी जा सकते हैं। इस दौरान वह पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। 1 जुलाई 2024 को राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा था कि सरकार के लिए अग्निवीर यूज एंड थ्रो मजदूर हैं। सरकार अग्निवीरों को न पेंशन देती है, न मुआवजा और न ही शहीद का दर्जा। राहुल के इस बयान के बाद से मुद्दे पर विवाद शुरू हो गया। सरकार के सहयोगी दल ख्क्ठ के प्रवक्ता केसी त्यागी ने भी अग्निवीर पर बदलाव की मांग की है। 28 मार्च 2024 को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा था कि सरकार अग्निवीर भर्ती योजना में बदलाव के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक कोई बदलाव नहीं किया गया। हालांकि, सरकार ने 12 जुलाई 2024 को पूर्व अग्निवीरों के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की भर्ती में 10 फीसदी सीटें आरक्षित करने का फैसला किया। वहीं, 17 जुलाई को हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अग्निवीरों को राज्य की सरकारी नौकरियों में 10 फीसदी आरक्षण देने का ऐलान किया है। देशभर के हजारों छात्र नीट यूजी परीक्षा का विरोध कर रहे हैं। इन छात्रों ने सुप्रीम कोर्ट में परीक्षा में गड़बड़ी और ग्रेस मार्क्स दिए जाने के खिलाफ शिकायत की है। पेपर लीक का भी मामला सामने आया है।नीट यूजी पेपर लीक केस में सीबीआई अब तक 12 गिरफ्तारियां कर चुकी है। 7 राज्यों की पुलिस ने 45 आरोपियों को अरेस्ट किया है।

छत्तीसगढ़ सीएम ने खारिज किया राजस्थान के सीएम का दावा

कोयला खदान को मंजूरी से इनकार, गहलोत बोले-दोनों मिलकर जनता को गुमराह कर रहे

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। छत्तीसगढ़ में राजस्थान की कोयला खदान को वहां के वन विभाग से मंजूरी खतरे में पड़ गई है। छत्तीसगढ़ सीएम विष्णु देव साय ने हसदेव अरण्य कोल फील्ड में आ रही राजस्थान सरकार की कोयला खदान को वहां के वन विभाग से मंजूरी मिलने के दावे को खारिज कर दिया है। राजस्थान सीएम भजनलाल शर्मा ने 12 जुलाई को सोशल मीडिया पोस्ट करके दावा किया था कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 91.21 हैक्टेयर फोरेस्ट लैंड के उपयोग की अनुमति दे दी है। सीएम भजनलाल ने इस अनुमति के लिए छत्तीसगढ़ सीएम विष्णुदेव साय का आभार जताते हुए सोशल मीडिया साइट ड्ड पर पोस्ट किया था। अब छत्तीसगढ़ सीएम साय ने मंजूरी से इनकार कर दिया है। जब साय से मीडिया ने पूछा कि राजस्थान सीएम ने कोयला खदान को वन विभाग की मंजूरी मिलने पर धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा- ऐसा गलती से हो गया होगा उनकी तरफ से। है। गहलोत ने एक्स पर लिखा- यह बेहद ही आश्चर्यजनक है कि राजस्थान के मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बयानों में विरोधाभास है।

गहलोत बोले- राजस्थान और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्रियों के बयानों में विरोधाभास

छत्तीसगढ़ सीएम के इस इनकार के बाद राजस्थान के पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने दोनों मुख्यमंत्रियों पर सियासी पलटवार किया है। गहलोत ने बयान जारी कर दोनों मुख्यमंत्रियों पर जनता को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। गहलोत ने एक्स पर लिखा- यह बेहद ही आश्चर्यजनक है कि राजस्थान के

मुख्यमंत्री और छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री के बयानों में विरोधाभास है। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलालजी दावा करते हैं कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राजस्थान के विद्युत गृहों में कोयले की आपूर्ति के लिए परसा ईस्ट और कांता बासन (पीईकेबी) कोल ब्लॉक में वनभूमि का उपयोग करने की अनुमति प्रदान कर दी है, लेकिन आज छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि ऐसी कोई बात ही नहीं है।

राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को सच्चाई बताएं

गहलोत ने आगे लिखा- राजस्थान और छत्तीसगढ़ की जनता को इसकी सच्चाई बताई जानी चाहिए। क्या दोनों मुख्यमंत्रियों को अधिकारी इस मुद्दे पर गुमराह कर रहे हैं या दोनों मुख्यमंत्री मिलकर अपने-अपने राजनीतिक हितों के अनुरूप जनता को गुमराह कर रहे हैं बिजली जैसे जरूरी मुद्दे पर दोनों सरकारों को संवेदनशील होने की आवश्यकता है, पर इस तरह की भ्रम फैलाने वाली राजनीति से किसका भला होगा।

केजरीवाल की जमानत पर 29 जुलाई को फैसला

सिंघवी बोले, पाकिस्तान में इमरान छूटते हैं फिर जेल जाते हैं, हमारे देश में ऐसा नहीं हो सकता

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। शराब नीति केस में दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। बुधवार को करीब ढाई घंटे तक चली चली बहस के बाद कोर्ट ने कहा- जमानत याचिका पर सुनवाई 29 जुलाई को करेंगे। सीबीआई द्वारा केजरीवाल को अरेस्ट करने के खिलाफ जस्टिस नीना बंसल कृष्णा की कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा- अरविंद केजरीवाल जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री हैं, आतंकवादी नहीं। सिंघवी ने कोर्ट में पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान का जिक्र किया। उन्होंने कहा- हाल ही में इमरान खान को रिहा किया गया था, लेकिन उन्हें दूसरे मामले में फिर से गिरफ्तार कर लिया गया। हमारे देश में ऐसा नहीं हो सकता। न्यूज वेबसाइट बार एंड बेंच के मुताबिक सीबीआई के वकील डीपी सिंह ने कहा- अगर केजरीवाल को जमानत मिली तो वह जांच प्रभावित कर सकते हैं। यहां सभी को पता है कि देश में कैसे जांच को प्रभावित किया जाता है। केजरीवाल पर दो मामले दर्ज हैं। पहला ईडी का, जिसमें उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज किया गया है। ईडी ने केजरीवाल को 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। दूसरा एउक्रका, जिसे शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर दर्ज किया गया। इस केस में 26 जून को केजरीवाल को दोबारा गिरफ्तार किया गया। यह केस दिल्ली ख्क्क्वीके सक्सेना की शिकायत पर दर्ज हुआ था। दोनों मामले अलग-अलग दर्ज किए गए हैं, इसलिए इनमें गिरफ्तारी भी अलग-अलग हुई हैं। ट्रायल कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल को 20 जून को पीएमएलए के तहत नियमित जमानत दी। लेकिन 4 दिन के बाद सीबीआई ने केजरीवाल से न्यायिक हिरासत में पूछताछ करने का आदेश लिया और 26 जून को उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

यूपी भाजपा अध्यक्ष ने पीएम को दी खींचतान की रिपोर्ट

भूपेंद्र चौधरी गृहमंत्री शाह से मिले, केशव के बगावती तेवर के बाद सियासी हलचल तेज

■ संजीवनी टुडे

लखनऊ। केशव मौर्य के लगातार बगावती तेवर के बाद उत्तर प्रदेश में राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने बुधवार शाम को पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सरकार-संगठन के बीच मौजूदा खींचतान और लोकसभा चुनाव की रिपोर्ट दी। इधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल से मुलाकात की। हालांकि इसे शिष्टाचार भेंट बताया गया। इससे पहले योगी ने यूपी में दस विधानसभा सीटों पर होने वाले उप-चुनाव को लेकर मंत्रियों के साथ बैठक की। लोकसभा चुनाव में भाजपा को हुए सीटों के तगड़े नुकसान के बाद से ही खींचतान देखी जा रही है। भाजपा और सहयोगी पार्टी के नेता उत्तर प्रदेश सरकार के कामकाज पर सवाल उठा रहे हैं। पिछड़ों के सबसे बड़े नेता केशव मौर्य लगातार योगी सरकार पर निशाना साध रहे हैं। वह बार-बार कह रहे हैं कि कार्यकर्ता और संगठन सरकार से बड़ा है। जबकि वे खुद योगी सरकार में डिप्टी सीएम हैं।

29 जुलाई से मानसून सत्र, विपक्ष का रुख रहेगा आक्रामक

उत्तर प्रदेश में विधानसभा और विधान परिषद का मानसून सत्र 29 जुलाई से शुरू होगा। हालांकि इसकी आधिकारिक घोषणा अभी नहीं की गई है। लेकिन तैयारियां इसी तारीख को ध्यान में रखकर की जा रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, सत्र 4-5 दिन चलेगा। आगामी मानसून सत्र में जहां विपक्ष किसानों, बेरोजगारी और जातीय जनगणना के मुद्दे पर आक्रामक रहेगा, वहीं सत्ता पक्ष भी विशेष रणनीति के तहत उतरेगा। उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य लखनऊ लौट आए हैं। उनके चेहरे मुस्कान थी। वे दो दिन पहले दिल्ली गए थे। उन्होंने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की थी। गृह मंत्री अमित शाह से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी की मुलाकात खत्म हो गई है। चौधरी गृह मंत्री के आवास से बाहर निकले। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा से पहले तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी दिल्ली में हैं। वे गृह मंत्री अमित शाह से मिलने पहुंचे हैं।

खबरें फटाफट

सामाजिक कार्यकर्ता ने घायल गाय को पंहुचा गौशाला

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। कस्बे के टहला मार्ग पर अज्ञात वाहन से घायल हुई गाय को राष्ट्रीय जन सेवा टीम ने भौंरगी धाम गौशाला पहुंचाया। टीम के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश मीना, कपिल मीना व भरतलाल कुण्डरोली ने बताया कि बुधवार को करीब 11 बजे टहला सड़क मार्ग पर एक घायल गाय को तड़पते हुए देखा। गाय को स्थानीय राहगीरों की मदद से रास्ते से हटाकर पेड़ की छांव में बिठाया। गाय की गंभीर हालत होने पर सामाजिक कार्यकर्ता रामसिंह बड़ला व जुगनू तमोली को सूचना दी। दोनों सामाजिक कार्यकर्ता ने मौके पर पहुंचकर गाय को भौंरगी धाम गौशाला पहुंचाया। गाय को पशु चिकित्सक से इलाज करवाया गया। इस दौरान राष्ट्रीय जन सेवा टीम के रामसिंह बड़ला, जुगनू तमोली, सुरेश मीना, कपिल मीना, भरतलाल मीना, रामराज मीना, पुष्पेन्द्र पंडित आदि उपस्थित रहे।

सरपंच ने पूर्व विधायक को सौपा ज्ञापन

संजीवनी टुडे

चौमूं। ग्राम इटावा भोपजी सरपंच सुनीता राजकुमार सैनी के नेतृत्व में ग्रामीणो ने पूर्व विधायक रामलाल शर्मा को उपमुख्यमंत्री, सार्वजनिक निर्माण विभाग व जिला कलेक्टर के नाम ज्ञापन सोपा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम इटावा भोपजी में दो मुख्य समस्याएं जिनमें पहली बस स्टैंड व बाजार में पानी की निकासी के संबंध में एवं दुसरी वर्तमान पंचायत भवन जर्जर एवं जीर्ण शीर्ण अवस्था में है, उसको मरम्मत व गिरवाने की स्वीकृति प्रदान करने को लेकर अवगत कराया गया। इस पर पूर्व विधायक ने जल्द ही दोनों समस्याओं के समाधान करवाने को लेकर उचित आश्वासन दिया।

विधायक रामावतार बैरवा रहे क्षेत्र के दौरे पर, कार्यकर्ताओ ने किया विधायक का स्वागत

संजीवनी टुडे

चाकसू। विधायक रामावतार बैरवा क्षेत्र के दौरे पर रहे। विधायक के चाकसू पहुंचने पर भाजपा नेता एवं कृषि मंडी चेयरमैन कैलाश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। उन्होंने बजट सत्र में चाकसू विधानसभा क्षेत्र को सौगात मिलने पर आभार जताया। बजट 2024-25 भाषण के दौरान चाकसू विधानसभा के कोटखावदा में कृषि उपज मंडी खोलने एवं चाकसू स्थित पुराने नेशनल हाईवे 12 का मय डिवाइडर सुदृढ़ीकरण एवं नवीनीकरण तथा कोटखावदा मोड़ से बाईपास व गरुड़वासी तिराहे से बाईपास 21 किलोमीटर निर्माण कार्य के लिए ?38 करोड़ 52 लाख रुपए की घोषणा की है। इससे पहले चाकसू में खेल स्टेडियम सहित कई घोषणाओं से विधानसभा क्षेत्र के लोगों को सुविधाओं का लाभ मिलेगा। कार्यकर्ताओं ने इन कार्यों की स्वीकृति के लिए चाकसू विधायक रामावतार बैरवा का आभार जताया है।

प्रशिक्षण संपन्न, महिलाओं एवं बालिकाओं को सर्टिफिकेट एवं उपहार किए वितरण

संजीवनी टुडे

सलूंबर।आराधना सेवा संस्थान द्वारा सलूंबर क्षेत्र में 40 दिन का मेहंदी,सिलाई एवं पार्लर प्रशिक्षण पूर्ण होने पर महिलाओं एवं बालिकाओं को सर्टिफिकेट एवं उपहार वितरण किए गए।कार्यक्रम में संस्थापिका रानी शर्मा,सचिन मनोज पंड्या,ब्यूटीशियन पूनम साहू,प्रशिक्षण ट्रेनर वर्षा राठौड़, सहयोगकर्ता निकिता सुथार एवं बाबू सालवी ने इस कार्यक्रम में भाग लेकर महिलाएं बालिकाओं का हौसला बढ़ाया और उन्हें प्रशिक्षण पूर्ण होने पर शुभकामनाएं दी।

युवक से मारपीट, कार में तोड़फोड़, केस

संजीवनी टुडे

उदयपुर। सिंधी धर्मशाला के बाहर कार में तोड़फोड़ कर युवक से मारपीट का मामला सूरजपोल थाने में दर्ज हुआ है। गायरियावास चौराहा निवासी गोपाल पुत्र कन्हैयालाल शर्मा ने रिपोर्ट दी कि गत 15 जुलाई की रात 11 बजे छोटा भाई तरुण सिंधी धर्मशाला के पास किराना दुकान पर सामान लेने रुका था। वहां एक युवक किसी भिखारी से बहस कर रहा था। युवक ने भिखारी से लाठी छीनकर तरुण की कार पर दे मारी। रोकने पर तरुण को भी लाठी मारी और उसके दोनों हाथ पर काट लिया। इस दौरान तरुण की 3.5 तोले की सोने की चेन गिर गई। लोगों ने बीच-बचाव किया तो आरोपी फरार हो गया।

बैरवा छात्रावास में अध्यक्ष एस के बैरवा ने किया तृतीय तल का शुभारंभ

संजीवनी टुडे

जयपुर। बैरवा शिक्षा प्रचार एवं सहायतार्थ समिति के प्रवक्ता एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा ने जानकारी देते हुए बताया कि बैरवा छात्रावास, सेंट्रल स्पाइन,श्रीकिशनपुरा ,जगतपुरा ,जयपुर मे छात्रावास के तृतीय तल के नव-निर्माण कार्य का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष किशन बैरवा एवं निर्माण कमेटी के अध्यक्ष वेद प्रकाश वर्मा द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपस्थित भामाशाहो एवं संस्था के पदाधिकारियो द्वारा विधिवत तरीके से 5 ईंटे रखकर नव निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर लक्ष्मी नारायण नगरवाल व उनके भाइयों के द्वारा अपने माता-पिता की स्मृति में संस्था को 2,21,000 रुपए का चैक संस्था अध्यक्ष एस के बैरवा एवं अन्य पदाधिकारियो की उपस्थिति में भेंट किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय बैरवा महासभा के पूर्व अध्यक्ष हरिनारायण बैरवा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष :-एल आर बैरवा, उपाध्यक्ष :-प्रभुदयाल बैरवा, बाबूलाल महुआ, हरी राम नागरवाल (महामंत्री) निर्माण समिति:-उपाध्यक्ष कजोडमल बैरवा,नरेश कुमार बैरवा (संयोजक),भोमाराम टाटीवाल(सदस्य) प्रबंधन कमेटी सचिव :-रोडूराम सुलानिया , रमेश कुमार बैरवा (कोषाध्यक्ष) एडवोकेट मोहन प्रकाश बैरवा (प्रवक्ता) हरिकिशन मचीवाल (संगठन सचिव) सदस्य कार्यकारिणी:-,वेद राज बैरवा(सरपंच) ,डॉ विजय लाल बैरवा, शांति स्वरूप बंसीवाल, रमेश कुमार बैंडवाल,रामफुल बैरवा ,राधाकिशन बैरवा,बनवारी लाल बैरवा,हनुमान बैरवा,प्रेम चन्द बैरवा,हर्षित कुमार, राकेश वर्मा,सुरेश कुमार, राजेन्द्र कुमार, तेज कुमार नागरवाल आदि उपस्थित रहे। पण्डित भवानी शंकर गोठवाल ने विधि-विधान से पूजन कर मुहूर्त सम्पन्न कराया। *संस्था के अध्यक्ष एस के बैरवा* ने उपस्थित सभी भामाशाहों एवं पदाधिकारियो से अपील की कि वे सभी एकजुट रहकर समाज के इस छात्रावास के निर्माण में सहयोग प्रदान करें ताकि भविष्य में हमारे आने वाली पीढ़ी को एक सुव्यवस्थित परिसर मिल सके और वह आगे तरक्की करें ,जिससे समाज का नाम ऊंचा हो।

5 हजार की रिश्वत लेते रेंजर सहित 3 गिरफ्तारः अवैध लकड़ी से भरे ट्रक को छोड़ने के बदले ली थी घूस

संजीवनी टुडे

राजसमंद । राजसमंद एसीबी टीम ने वन विभाग राजसमंद के रेंजर को 5 हजार रूपए की रिश्वत राशि लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। वही इस मामले में एक अन्य रेंजर व वनपाल को भी एसीबी टीम ने गिरफ्तार किया। रेंजर ने परिवादी से अवैध लकड़ी से भरे ट्रक को छोड़ने की एवज में रिश्वत की मांग की थी। राजसमंद एसीबी ब्यूरो के पुलिस निरीक्षक मंशाराम के अनुसार परिवादी ने 12 जुलाई को ब्यूरो कार्यालय में वन विभाग डूंगरपुर के रेंजर लोकेश व नारायण सिंह एवं वनपाल अशोक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में परिवादी ने बताया कि द्वारा परिवादी की गाड़ी जब्त करने एवं रेंजर लोकेश द्वारा परिवादी की लकड़ी की गाड़ी को छोड़ने की एवज में 45 हजार रूपए की मांग की जा रही है। इसके अलावा बिछीवाड़ा रूट पर लकड़ी की गाड़ी को बिना रोक टोक ले जाने की ऐवज में मासिक बंदी की मांग की जा रही है। जिसके बाद राजसमंद ब्यूरो द्वारा रिश्वत की मांग का सत्यापन करवाया गया।

मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के पद पर कार्यग्रहण करने पर किया स्वागत

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। राजगढ़ में लंबे समय से रिक्त चल रहे मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के पद पर बुधवार को रामगोपाल मीना ने कार्यग्रहण किया। पूर्व उपनिदेशक रामेश्वर दयाल मीना ने कार्यग्रहण करने पर माला व साफा पहनाकर कर बधाई दी। साथ ही राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) के प्रदेश पदाधिकारी रघुनंदन शर्मा, वरिष्ठ प्रदेश मंत्री ब्रजमोहन मीना,ब्लॉक अध्यक्ष रामचरण सुनारी, ने संघठन की ओर से अभिनंदन किया। आदिवासी सेवा संस्थान के कोषाध्यक्ष लल्लू राम खुर्द ने संस्थान की ओर से माला व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस अवसर पर अति.मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमल कुमार मीना,प्रधानाचार्य सुरेश चंद मीना,प्राचार्य मूलचंद मीना ,(नोडल अधिकारी),रिछपाल मीना, मुरलीधर मीना प्राचार्य, उप प्राचार्य रामशरण मीना ,राज्य स्तरीय पुरस्कृत शिक्षक ब्रजमोहन मीना,प्रशासनिक अधिकारी देशबंधु शर्मा,नंदकिशोर रेवाडिया,संपत राम सैनी,संतोष शर्मा, उमराव,लाला राम,राजू सैनी सहित शिक्षाविद उपस्थित रहे।

रवि बैरवा की पुण्यतिथि पर रक्तदान शिविर का आयोजन, 51 लोगों ने किया रक्तदन

संजीवनी टुडे

टोंक। वीवीआर ग्रुप टोंक और रक्तकोष फाउंडेशन शाखा टोंक के तत्वावधान में टोंक निसी स्व. रवि कुमार बैरवा ग्राम बाड़ा की तीसरी पुण्यतिथि पर रक्तदान कार्यक्रम व श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम रखा गया। जिसमें राजकीय सहादत हॉस्पिटल ब्लड बैंक टोंक में 32 युनिट रक्तदान तथा प्रतिष्ठा ब्लड बैंक टोंक में 19 युनिट रक्तदान यानि कुल मिलाकर 51 युनिट रक्तदान किया गया इसके साथ ही श्रद्धांजलि अर्पित कार्यक्रम नेहरू गार्डन टोंक में रखा गया जिसमें प्रत्येक रक्तदाता ने पुष्प अर्पित करते हुए रवि को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर तथा रक्तकोष फाउंडेशन टोंक अध्यक्ष डॉ मनीष लोदी , उपाध्यक्ष रोहित , नर्सिंग ऑफिसर रेखराज गंगवाल , प्रतिष्ठा ब्लड बैंक के संचालक सुमेर सिंह , वीवीआर ग्रुप के संस्थापक सदस्य विष्णु गोठवाल , विनोद लहन तथा वीवीआर ग्रुप के रवि बैरवा , विकास गंगवाल,सोनू बैरवा , राजकुमार धवन , विक्रम बाड़ा,महेश बम्भोर ,सुनिल उज्जवल , जोगेंद्र गंगवाल, राहुल डा्रड़ा अम्बेडकर युवा छोटा बड़ा संस्थान संस्थापक कवि राजकुमार धवन आदि उपस्थित रहे।

बेजुबानों की मदद को हमेशा आगे आती है राष्ट्रीय जन सेवा टीम

संजीवनी टुडे

राजगढ़ । राष्ट्रीय जन सेवा टीम ने राजगढ़- टहला मार्ग पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल अवस्था में तड़पती गाय को इलाज और देखभाल के लिए पहुंचाया भोरंगी धाम गौशाला । टीम के सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश मीना कुंण्डरोली व रामसिंह बड़ला ने बताया कि बुधवार को 11.00 बजे तीनों साथी राजगढ़ से टहला मार्ग होते हुए गांव जा रहे थे तो रोड पर अज्ञात वाहन की टक्कर से घायल एक गाय को तड़पते हुए देखा । गाय बहुत जख्मी थी ऊपर से बहुत भीषण गर्मी और धूप से हाफ रही थी आखों से आसू भी गिर रहे थे । बेजुबान बोल नही सकती थी लेकिन मदद की गुहार लगा रही थी । अनुमान से गाय बछड़ा देने के करीब है । गाय को पहले तो तीनों साथियों ने राहगीरों की मदद से छांव में बिठाया और फिर पानी लाकर पिलाया। लेकिन गाय की गंभीर हालत को देखते हुए सुरेश कुण्डरोली ने अपनी राष्ट्रीय जन सेवा टीम के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता रामसिंह बडला और जुगनू तमोली को फोन से सूचना दी । दोनों सामाजिक कार्यकर्ता तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल गाय को साथियों और राहगीरों की मदद से किसान बुग्गा में बिठाया और भोरंगी धाम गौशाला लेकर पहुंचे द्य भोरंगी धाम गौशाला के श्री पुष्पेंद्र पंडित और कार्यरत गौ सेवको ने टीम साथियों की मदद से गाय को बुग्गा से उतरवाया और टीम को विश्वास दिलाया कि इस घायल गाय का पूर्णतया ईलाज करके ठीक किया जायेगा और पूरी देखभाल भी की जाएगी । राष्ट्रीय जन सेवा टीम के साथियों ने पशु चिकित्सक से फोन पर घायल गाय के ईलाज का अनुरोध किया और डॉक्टर साहब ने भी आशस्वत किया है । घायल गाय के ईलाज के बेहतर प्रयास से सभी राष्ट्रीय जन सेवा टीम के कार्यकर्ताओ ने दुआ भी की। रामसिंह बडला ने राजगढ़--टहला-गोला का बास मार्ग पर वाहन चालकों से तेज गति से वाहन न चलाने और यातायात नियमो की पालना की अपील भी की है द्य घायल गाय की सेवा में राष्ट्रीय जन सेवा टीम के सामाजिक कार्यकर्ता रामसिंह बडला, जुगनू तमोली राजगढ़, सुरेश मीना, कपिल मीना, भरत लाल मीना, रामराज मीना, कुण्डरोली, पुष्पेंद्र पंडित और गौ सेवक भोरंगी धाम गौशाला रहे ।

पार्षद अशोक रच्छोया ने अपने जन्मदिन पर स्कूल के 46 जरूरतमंद विद्यार्थियों को जूते व मौजे किए वितरित

संजीवनी टुडे

चौमूं। पार्षद अशोक रच्छोया ने अपना जन्मदिन सादगी पूर्ण तरीके से मनाया। उन्होंने अपने जन्मदिन के अवसर पर सर्वप्रथम अपने पूज्यनीय पिताजी को पुष्पांजली अर्पित कर आशिर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात रघुनाथ दास जी महाराज की बगीची में महाराज श्री को धोक लगाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। वही विभिन्न धार्मिक स्थानो पर जाकर देवी देवताओं का आशीर्वाद लिया। इसके साथ ही उन्होने अपना जन्मदिन नन्हे मुन्ने बच्चों के बीच भी मनाया। शहर के रेगरो के मोहल्ला मे गंगा माता मंदिर के पास राजकीय उच्च प्राथमिक संस्कृत विद्यालय के 46 विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप जूते व मौजे वितरित। इस मौके पर सभापति विष्णु कुमार सैनी सहित समाज के प्रबुद्ध जन एवं वार्डवासी लोग मौजूद रहे। जन्मदिन समारोह में पार्षद अशोक रच्छोया ने विद्यालय में दरी भेंट करने की घोषणा की तो वही सभापति विष्णु सैनी ने स्वयं के खर्चे से विद्यालय में तीन पंखे देने की घोषणा की। वार्ड वासियों द्वारा पार्षद अशोक रच्छोया को माला साफा पहनाकर एवं मिठाई खिलाकार व केक कटवाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इधर दिनभर शुभकामना देने का वालों का तांता लगा रहा। लोगो द्वारा विभिन्न स्थानों पर पार्षद के साथ केक कटवाकर जन्मदिन मनाया गया। इधर देर शाम मोरीजा रोड स्थित कबीला रेस्टोरेंट पर भी सभापति, पार्षदगण, मित्रगण, रिश्तेदार, परिवारजन तथा सर्व समाज के लोगो ने पहुंचकर पार्षद अशोक रच्छोया को जन्मदिन के साथ केक काटकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी।

प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन सुनिल अरोड़ा का बांदीकुई में भव्य स्वागत एवं पौधो रोपण

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। लायन्स क्लब बांदीकुई के सचिव, लायन डॉ. मुकेश कुमार शर्मा ने बताया कि प्रान्तपाल पीएमजेएफ लायन सुनिल अरोड़ा का बांदीकुई आगमन पर लायन्स बस शेल्टर मुकुरपुरा बांदीकुई पर भव्य स्वागत किया गया। साथ ही सिकन्दरा रोड पम्प सेट अलवर बाईपास पर लायन्स बस स्टॉप पर भी प्रान्तपाल महोदय का माला और दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। इस मौके पर रीजन चेयरपर्सन लायन आयुषी विजय भी उपस्थित थीं। इसके उपरान्त, प्रान्तपाल द्वारा गांधीपार्क में पाँच छायादार पौधे प्रान्तीय कार्यक्रम के तहत लगाए गए। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि ''पौधे लगाने से भविष्य की पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित होता है। प्रान्तपाल सुनील अरोड़ा ने बांदीकुई के स्थाई प्रोजेक्ट, बस शेल्टर और बस स्टॉप की भी प्रशंसा की। इस अवसर पर कोषाध्यक्ष लायन अजय प्रकाश सोनी, निर्वतमान अध्यक्ष लायन राधामोहन गुप्ता, पूर्व सचिव लायन सुभाष सिंघल, पूर्व प्रान्तीय कोषाध्यक्ष लायन मुरारीलाल शर्मा, पूर्व जोन चेयरपर्सन लायन राजेश सेठी, पूर्व कोषाध्यक्ष लायन रविन्द्र शाहरा, और लायन देवेन्द्र गुप्ता उपस्थित रहे।

समाजसेवी रवि अजमेरा यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री हुए नियुक्त

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान के जयपुर शहर मूल निवासी समाजसेवी रवि अजमेरा को मानव समाज के प्रति आपकी जनसेवा की भावना पर्यावरण के प्रति जन चेतना राष्ट्र के प्रति देशभक्ति निष्ठा ईमानदारी के साथ आपकी सक्रियता व बेहतर कार्य को देखते हुए यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण बांकोलिया ने समाजसेवी रवि अजमेरा को नियुक्ति पत्र जारी कर परिचय पत्र सौंपा गया जिसमें यूनिवर्सल ह्यूमन राइट्स काउंसिल के राष्ट्रीय संगठन मंत्री रवि अजमेरा को नियुक्त किया है डॉ तरुण बाकोलिया ने बताया कि आमजन के मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एवं अपराधों को रोकने के साथ साथ जनता की समस्याओं को शासन- प्रशासन तक पहुंचाने के उद्देश्य से काउंसिल के महिला राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ अरूणा शर्मा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ आर पी चंद्र आईएएस रिटायर्ड, ओ.पी.लांग्यान आईएएस रिटायर्ड, श्रीराम ब्याडवाल शिक्षाविद महासचिव डॉ इलियास अहमद व समस्त कार्यकारिणी ने विचार करने के बाद रवि अजमेरा को तत्काल प्रभाव से राष्ट्रीय संगठन मंत्री पद पर नियुक्त करने का फैसला किया है रवि अजमेरा ने अपनी नियुक्ति पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. तरुण बांकोलिया एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी व प्रदेश कार्यकारिणी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संगठन द्वारा मुझे जो जिम्मेदारी सौंप गई है इस जिम्मेदारी को पूर्ण निष्ठा व लगन के साथ बखूबी से निभाऊंगा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ बांकोलिया ने बताया कि रवि अजमेरा समाज में व्याप्त अत्याचार उत्पीड़न और शोषण को दूर करने एवं मानवाधिकारों के संरक्षण हेतु जनहित में कार्य करेंगे रवि अजमेरा ने बताया कि अपराध एवं भ्रष्टाचार मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार और पुलिस प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करना संगठन की प्राथमिकता रहेगी रवि अजमेरा राष्ट्रीय संगठन मंत्री नियुक्ति मिलने पर राष्ट्रीय सचिव विष्णु अग्रवाल राष्ट्रीय संगठन मंत्री प्रियंका शर्मा हशवंत सिंह चौहान प्रो विवेक भोज राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष इन्द्रराज मीना प्रदेश उपाध्यक्ष प्रो.सुर्मिला यादव उषा चौधरी प्रो.डॉ.धर्मेंद्र वर्मा व महासचिव देवनारायण खोलिया सुरजभान बुनकर प्रदेश महासचिव श्रीमती गीता जैलिया सवाई माधोपुर जिलाध्यक्ष कैलाश सिसोदिया टोंक जिलाध्यक्ष रूपेंद्र ठागरिया उपाध्यक्ष डॉ.गणपत लाल वर्मा डॉ.हरगोविंद भारती जगमोहन बैरवा रामलाल दबकिया सुनील कुमार वर्मा सहित जिले के सभी ब्लॉकों में खुशी व्यक्त करते हुए तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ तरुण बांकोलिया का आभार प्रकट किया गया

जिला स्तरीय जनसुनवाई आज

संजीवनी टुडे

सलूंबर। मुख्य सचिव द्वारा जन भावना के अनुरूप पारदर्शी एवं संवेदनशील वातावरण में आमजन की परिवेदनाओं, समस्याओं की सुनवाई एवं त्वरित समाधान के लिये जिला स्तरीय जनसुनवाई का आयोजन किया जायेगा। जिला स्तर पर आमजन की परिवेदनाओं के संबंध में जिला स्तरीय जनसुनवाई जिला कलक्टर जसमीत सिंह संधू की अध्यक्षता में 18 जुलाई 2024 गुरूवार को प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक जिला कलेक्टर परिसर स्थित वीसी कक्ष में रखी गई है। जनसुनवाई में परिवादियों द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र, सतर्कता समिति में दर्ज प्रकरण एवं राजस्थान सम्पर्क पोर्टल की विस्तृत समीक्षा के साथ त्रिस्तरीय जनसुनवाई के लम्बित प्रकरणों की समीक्षा की जाएगी। संबंधित विभाग के अधिकारीगण जनसुनवाई में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

महिला के हाथ में चेन रह गई, पेंडेट छीनकर ले भागे, हिरण मगरी थाना क्षेत्र का मामला

संजीवनी टुडे

उदयपुर। उदयपुर के हिरण मगरी थाना क्षेत्र में बुधवार को दिनदहाड़े बाइक सवार दो बदमाश सड़क किनारे चलती महिला के गले से 1 तोला सोने का पेंडेट छीनकर फरार हो गए। बदमाशों ने महिला के गले से सोने की चेन छीनने की कोशिश की लेकिन खींचते समय चेन महिला के हाथ में रह गई और उसमें लगा पेंडेट बदमाशों लेकर भाग गए। इस दौरान महिला गिरकर घायल हो गई। हिरण मगरी निवासी महिला सुमन जैन (50) सुबह के समय बंजारा बस्ती स्थित मैन रोड पर पैदल जा रही थी। तभी पीछे से बाइक पर सवार दो बदमाश आए। महिला के गले में झपट्टा मारा और चेन खींचकर ले भागे। महिला खुद को संभाल नहीं पाई और सड़क पर गिर गई। राहगीरों ने महिला को संभाला और हॉस्पिटल पहुंचाया। वहीं, आसपास लोगों ने बदमाशों का पीछा करने की कोशिश की लेकिन वह हाथ नहीं आए। मामले की सूचना हिरण मगरी थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और घटना की जानकारी ली। पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि बाइक सवार बदमाश कुछ देर से महिला का पीछा कर रहे थे लेकिन महिला को लूट का अंदेशा नहीं था। हिरण मगरी थानाधिकारी दर्शन सिंह ने बताया कि पीड़ित महिला सुमन जैन ने चैन स्नेचिंग की रिपोर्ट दर्ज कराई है। घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रहे है। आरोपियों की बाइक के नंबर और उनकी पहचान करने का प्रयास कर रहे है।

विद्यालय में 151 पौधों का वितरण: पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है: लायंस क्लब

संजीवनी टुडे

बांदीकुई। राउमावि आरसी के प्रधानाचार्य एव लायन्स क्लब बांदीकुई के निर्वतमान अध्यक्ष राधामोहन गुप्ता ने लायन्स क्लब बांदीकुई के सौजन्य से 16 जुलाई2024 मंगलवार को आरसी विद्यालय में 151 छायादार पौधों का वितरण किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम के दौरान पाँच पौधे विद्यालय परिसर में लगाए गए, जबकि बाकी पौधे विद्यार्थियों और ग्रामवासियों के बीच वितरित किए गए। यह कार्यक्रम न केवल विद्यालय के छात्रों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाने का काम करेगा, बल्कि ग्रामवासियों को भी हरियाली की अहमियत समझाएगा। लायन्स क्लब के निर्वतमान अध्यक्ष लायन श्री राधामोहन गुप्ता ने इस अवसर पर कहा, ''यह पहल हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और हरा-भरा भविष्य सुनिश्चित करने की दिशा में एक छोटा सा कदम है।'' पौधारोपण से न केवल पर्यावरण को फायदा होगा, बल्कि यह समाज के सभी वर्गों को एकजुट करने का भी एक माध्यम है । कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने बड़े उत्साह के साथ पौधों को अपनाया और उन्हें अपने घरों में लगाने का संकल्प लिया। ग्रामवासियों ने भी इस पहल का स्वागत किया और पौधों की देखभाल का जिम्मा उठाया। यह कार्यक्रम न केवल पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि समाज के सभी वर्गों को एक साथ लाने और सामूहिक प्रयासों से हरियाली बढ़ाने का संदेश भी देता है। इस अवसर पर विद्यालय स्टाफ श्री दिगम्बर सिह, श्रीमती ज्योति मित्तल, श्री तेजसिंह जी, शा0 शि0 श्री लालाराम सैनी, श्रीमती पपीता कुमारी आंगन बाडी कार्यकर्ता विमला देवी ग्राम की अन्य सभ्रांत महिलाऐं उपस्थित थी।

फर्जी रजिस्ट्री करने वाले गिरोह का पर्दाफाश: फर्जी रजिस्ट्री करने के मामले में सरगना सहित चार आरोपी गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

चित्तौड़गढ़,। कस्बा निम्बाहेड़ा में कृषि भुमी के डमी मालिक खड़ा कर फर्जी तरीके से रजिस्ट्री करने के मामले में गिरोह का पर्दाफाश करते हुए कोतवाली निम्बाहेड़ा थाना पुलिस ने मुख्य सरगना सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की हैं। आरोपी कुटरचना कर फर्जी तरीके से जमीन के मालिक को बताये बिना ही उसके स्थान पर डमी मालिक खड़ा कर मुल मालिक के नाम की जमीन को बेचान कर फर्जी रजिस्ट्री कराते हैं। मामले में दो महिलाओं सहित तीन आरोपियों की गिरफ्तारी शेष है। पुलिस अधीक्षक श्री सुधीर जोशी ने बताया कि संगवाडिया थाना सदर निम्बाहेडा निवासी भैरुलाल रावत ने थाना कोतवाली निम्बाहेड़ा पर दी रिपोर्ट में बताया कि उसकी, उसके भाई रुपलाल, बहन चन्दाबाई व माता लालीबाई की सगवाडीया में शामलाती खातेदारी कृषि भूमि स्थित है, जिसमे सभी का समान हक हिस्सा निहित हैं। उक्त सभी के हक हिस्से की आराजीयात मे से रुपलाल एवं चन्दाबाई के हक हिस्से की भूमि को 01 मई 2024 को अज्ञात व्यक्तियो द्वारा फर्जी कुटरचित दस्तावेज को निर्मित कर क्रेता बहादुरसिंह रावत पुत्र मोहनलाल रावत निवासी सतखंडा तह0 निम्बाहेडा को विक्रय की रजिस्ट्री करवा दी जिसमे गवाह लाखन नायक पुत्र कनीराम नायक निवासी समेलिया व बाबरु भील पुत्र उंकारलाल भील निवासी रानीखेडा तह0 निम्बाहेडा है तथा भेरुलाल एवं लालीबाई के हक हिस्से की जमीन को 09 मई 2024 को अज्ञात व्यक्तियो द्वारा फर्जी कुटरचित दस्तावेज को निर्मित कर क्रेता बहादुरसिंह रावत पुत्र मोहनलाल रावत निवासी सतखंडा तह0 निम्बाहेडा को विकय की रजिस्ट्री करवा दी जिसमे गवाह लाखन नायक पुत्र कनीराम नायक निवासी समेलिया एवं गवाह राजेन्द्र नायक पुत्र बंशीलाल नायक निवासी सेमलिया को गिरफ्तार किया।

मावली डाक बंगले के पास अवैध दुकानें, जिला प्रशासन नहीं कर रहा कार्रवाईः पूर्व विधायक

संजीवनी टुडे

उदयपुर। मावली मावली में डाक बंगले के समीप अतिक्रमण कर बनाई दुकानों के मामले में जिला प्रशासन की अनदेखी को आड़े हाथ लेते हुए पूर्व विधायक धर्मनारायण जोशी ने जिला कलेक्टर अरविंद पोसवाल को पत्र लिखा है। इसमें पूर्व विधायक जोशी ने आरोप लगाए कि अवैध कब्जे व राजस्व रिकॉर्ड में हेरफ़ेर कर गलत नामांतरण के बाद मौके पर अवैध दुकानें बनाई गई हैं। जांच प्रक्रिया के नाम पर राजस्व विभाग अब तक कार्रवाई को गुमराह करते हुए तथ्यों को छिपाने में जुटा रहा। आंदोलन की चेतावनी के बावजूद खुद जिला कलेक्टर अतिक्रमण को लेकर एक साल में कुछ नहीं कर पाए। उल्टा समस्या को दूसरों के कंधों पर डालते हुए वन विभाग के उप वन संरक्षक को पत्र लिखकर ये पूछने में लगे हैं कि विभाग की ओर से अतिक्रमण को लेकर अब तक क्या कार्रवाई हुई है। जोशी का आरोप है कि उनकी ओर से प्रशासन को संबंधित भूमि के समस्त दस्तावेज उपलब्ध करवाए हैं। इसमें मूल खसरा नंबर को बदलकर गलत रजिस्ट्री और पटवारी की गलत रिपोर्ट पर नामांतरण खोला गया है। जोशी ने कहा है कि मामले में पटवारी से लेकर ऊपर तक के अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पद है। बता दें कि गत 19 जून को पूर्व विधायक जोशी ने जिला कलक्टर को पत्र लिखकर मावली में डाक बंगले के पास नाथद्वारा रोड पर दुकानों के अवैध निर्माण की जानकारी दी

खबरें फटाफट

एनडीपीएस एक्ट में सजा काट रहे कैदी की ब्रेन हेमरेज से मौत

संजीवनी टुडे

उदयपुर।पिछले 24 दिनों में सेंट्रल जेल में तीसरे कैदी की बीमारी से मौत हो गई। मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में 10 साल की सजा भुगत रहे कैदी की ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। इसे 24 दिन पहले चित्तौड़गढ़ जेल से उदयपुर जेल में भेजा था। केन्द्रीय कारागृह के उपकारापाल धर्मपाल डूडी ने बताया कि आलोठ, रतलाम निवासी मुश्ताक खां (46) पुत्र भुरू कुरैशी को चित्तौड़गढ़ कोर्ट ने एनडीपीएस मामले में गत 11 जून को 10 साल कैद की सजा सुनाई थी। गत 23 जून को कैदी को उदयपुर जेल में भेजा गया। ब्रेन हेमरेज की बीमारी से ग्रसित होने के कारण 16 जुलाई को तड़के 3 बजे उसकी तबीयत बिगड़ गई। उसे जेल की एंबुलेंस से सुरक्षा प्रहरी की निगरानी में एमबी हॉस्पिटल में भर्ती कराया। रात्रि 11 बजे उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। न्यायिक मजिस्ट्रेट शहर दक्षिण क्रम-1 के जज देवेंद्र पुरी की उपस्थिति में शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम करवा गया। फिर शव परिजनों को सौंप दिया। बता दें, गत 1 जुलाई को नाबालिग से दुष्कर्म पर 20 साल की सजा होने से सदमे में आए बंदी की हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। इससे पहले 23 जून को पॉक्सो के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे कैदी की बीमारी से मौत हो गई थी।

युवक ने लगाई फांसी, फंदा ढीला होने से जमीन पर लटका, 4 दिन बाद मौत

संजीवनी टुडे

उदयपुर। अंबामाता थाना क्षेत्र में 4 दिन पहले युवक ने घर पर ही फांसी लगा ली। फंदा ढीला होने पर वह जमीन तक पहुंच गए और परिजनों ने गंभीर हालत में उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया, वहां इलाज के दौरान मौत हो गई। हेडकांस्टेबल किशन सिंह ने बताया कि मल्लातलाई निवासी प्रकाश (48) पुत्र किशनलाल प्रजापत टैक्सी चालक थे और कुछ समय से बेरोजगार थे। वह 13 जुलाई की दोपहर किसी काम से निकले। कुछ देर बाद घर लौटे और कमरे जाकर फांसी लगा ली। फंदा ढीला होने से उनके पांव जमीन पर टच हो गए। वह जोर-जोर से सांसें लेने लगे। आवाज सुनकर पत्नी कमरे आई और उन्हें लटका देखा शोर मचाया। अन्य परिजन आए और उन्हें नीचे उतार कर एमबी हॉस्पिटल लेकर पहुंचे।जहां उनका 4 दिन से उनका इलाज चल रहा था और बुधवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया।

तबीयत बिगड़ने से छत पर गिरा वृद्ध, मौत

संजीवनी टुडे

उदयपुर। सुखेर थाना क्षेत्र में घर की छत पर गमलों में पानी डाल रहे वृद्ध तबीयत बिगड़ने से जमीन पर गिर गए और उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार चीरवा निवासी विद्याशंकर (60) पुत्र भवानीशंकर मेनारिया एकलिंग गढ़ छावनी में सिविल स्टाफ के पद पर कार्यरत थे। बुधवार सुबह वह घर की छत पर गमलों में पानी डाल रहे थे। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और वह छत पर ही गिर गए। उनकी पत्नी ने उन्हें देखा और बेटे को बताया। परिजन उन्हें पास ही के एक निजी हॉस्पिटल में लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को एमबी हॉस्पिटल की मोर्चरी में पहुंचाया। यहां शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया।

स्कूल के लिए निकला 14 साल का छात्र लापता, केस

संजीवनी टुडे

उदयपुर ।बड़गांव थाना क्षेत्र में स्कूल जाने के लिए निकला छात्र लापता हो गया। पुलिस के अनुसार रायमगरी निवासी संदीप सिंह पुत्र अमर सिंह ने रिपोर्ट दी कि 14 साल का भतीजा 16 जुलाई को सुबह वैन से स्कूल के लिए निकला था, जो घर नहीं लौटा। वैन चालक ने उन्हें बताया कि स्कूल जाते समय बच्चा एटीएम से पैसे निकालना बताकर बड़गांव में एटीएम के सामने उतर गया। परिजनों ने सभी संभावित जगह उसकी तलाश की, लेकिन पता नहीं चला।

घर में घुसकर चाबी निकाली, चुरा ले गया कार

संजीवनी टुडे

उदयपुर। शहर की पॉश कॉलोनी पोलो ग्राउंड से चोर ने दिनदहाड़े घर में घुसकर पहले चाबी, फिर कार चुरा ली। अंबामाता थाने में मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार पोलो ग्राउंड, फतहपुरा निवासी ध्रुव पुत्र राजकुमार नलवाया ने रिपोर्ट दी कि 12 जुलाई की रात को उन्होंने कार घर के बाहर पार्क की थी। अगली शाम 4 बजे एक चोर मोबाइल पर बात करता हुआ उनके घर में आ घुसा। तब घर का दरवाजा खुला रह गया था। चोर ने अंदर से कार की चाबी उठाई, फिर कार चुरा ले गया। उन्होंने आस-पास तलाश की, लेकिन कार का पता नहीं चला। सीसीटीवी कैमरे फुटेज में बदमाश कार चुराता दिखा। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश कर रही है।

सर्पदंश से वृद्ध की मौत

संजीवनी टुडे

झल्लारा ।थाना क्षेत्र के चौहानों का खंडेला निवासी एक किसान की सांप के डसने से मौत हो गई। हैड कांस्टेबल महेंद्र सिंह वगेरी ने बताया कि चौहानों का खंडेला निवासी प्रताप सिंह 74 बुधवार की सुबह अपने खेतों में कृषि कार्य कर रहे थे। इस दौरान अचानक जहरीले सांप ने काट लिया। परिजन उपचार के लिए सलूंबर जिला अस्पताल लेकर गए, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

यूएसए की ग्राफिक डिज़ाइनर रचना दमानी ने किया वरड़ा स्कूल का निरीक्षण

कहा-गांव-देहातों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं, प्रोत्साहन देकर कश्ती कर रही अनूठे प्रयास

संजीवनी टुडे

उदयपुर। यूएसए की राजधानी वाशिंगटन डीसी में निवास करने वाली शहर की बेटी और ग्राफिक डिजाइनर रचना लड्ढा दमानी ने मंगलवार को शहर के समीपस्थ राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वरड़ा का निरीक्षण किया और विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए ग्राफिक डिजाइनिंग में कॅरियर बनाने का आह्वान किया। शिक्षा, कला और संस्कृति संरक्षण को समर्पित कश्ती फाउंडेशन के बैनर तले आयोजित इस विशेष संवाद सत्र की अध्यक्षता फाउंडेशन प्रमुख श्रद्धा मुर्डिया ने की। इस मौके पर अपने संबोधन में ग्राफिक डिज़ाइनर रचना दमानी ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में भी कला कौशल छिपा हुआ है, बस उन्हें इस तरह से विभिन्न ख्यातनाम कलाकारों के साथ

संवाद के माध्यम से प्रोत्साहित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कश्ती फाउंडेशन के तत्वावधान में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए आयोजित हो रही विभिन्न सृजनात्मक गतिविधियों की भी सराहना की और इसे बच्चों के कॅरियर निर्माण का अनोखा अवसर बताया। उन्होंने कहा कि भले ही वे अमेरिका में रहती हो परंतु उन्हें अपनी मातृभूमि भारत से असीम प्यार है। अध्यक्षीय उद्बोधन में कश्ती फाउंडेशन की श्रद्धा मुर्डिया ने इस जनजाति अंचल में विद्यार्थियों को शिक्षा की दृष्टि से निजी स्कूलों जैसी सुविधाओं के साथ-साथ उचित वातावरण उपलब्ध कराया जाए इस दिशा में फाउंडेशन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं और इस प्रकार के संवाद सत्र आगामी दिनों में भी अधिकाधिक सरकारी विद्यालयों में कराए जाएंगे। इस मौके पर विद्यार्थियों ने अतिथियों को अपने द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों को भेंट किया और आगामी दिनों में भी उनके आगमन का आह्वान किया। आरंभ में विद्यालय की उप प्रधानाचार्य इंद्रा शर्मा ने स्वागत उद्बोधन देते हुए विद्यालय की गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। शर्मा और विद्यालय के सृजनधर्मी शिक्षक व शिल्पकार हेमंत जोशी ने अतिथियों का स्वागत किया तथा विद्यालय का अवलोकन कराया। इस मौके पर वास्तुकार व स्केच आर्टिस्ट सुनील लड्ढा व विद्यालय के शिक्षक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन उप प्रधानाचार्य इंद्रा शर्मा ने किया। इस मौके पर ग्राफिक डिज़ाइनर दमानी ने विद्यार्थियों से खुलकर संवाद किया और उनकी विद्यालयी गतिविधियों, अध्ययन, गांव की परिस्थितियां, खेलकूद व कला गतिविधियों की स्थितियों, पारिवारिक जिम्मेदारियां और उनके कॅरियर तथा सपनों के बारे में प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों ने भी खुलकर इस संवाद सत्र में हिस्सा लिया और अपनी जिज्ञासाओं को शांत किया। इस दौरान दमानी ने विद्यालय का अवलोकन करते हुए यहां पर स्थापित प्रस्तर शिल्प कृतियां, अत्याधुनिक कंटेनर लाइब्रेरी और हेरिटेज लुक वाले कक्षा कक्षों को बच्चों के अध्ययन अध्यापन की दृष्टि से उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस विद्यालय का वातावरण पूर्णतया बच्चों के अध्ययन के लिए प्रभावशाली है।

तेज रफ्तार कार हाइवे से खाई में गिरी, तीन घायल

संजीवनी टुडे

टीडी। उदयपुर-अहमदाबाद नेशनल हाइवे 48 पर बुधवार दोपहर एक तेज रफ्तार अनियंत्रित कार हाइवे से नीचे खाई में गिर गई। हादसे में कार सवार तीन लोग चोटिल हो गए। जानकारी के अनुसार उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर पीपली के समीप कार अनियंत्रित होकर सर्विस रोड पर करीब दो सौ मीटर घिसटते हुए हाइवे से नीचे खाई में गिर गई। जानकारी के अनुसार कार उदयपुर से सूरत जा रही थी। इससे कार चालक रिजवान मोहम्मद सहित चार लोग चोटिल हो गए। गनीमत रही कि दुर्घटना के दौरान चारों एयर बैग खुल गए, जिससे कार सवार लोग बच गए और बड़ा हादसा टल गया। कार को खाई में गिरते देख लोग दौड़े और कार से चारों को बाहर निकाला। इधर, घटना की सूचना पर पहुंची क्रेन से कार को खाई से बाहर निकलवाया।

घर जा रहे होटल संचालक पर लूट की नीयत से तीन बदमाशों ने किया जानलेवा हमला

संजीवनी टुडे

कुराबड़।सेमारी थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम सेमारी से घर जा रहे होटल संचालक पर लूट की नीयत से जानलेवा हमला करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रामुआ कुंडा के निकट तीन जनों ने होटल संचालक पर लट्ठ से वार कर बाइक से नीचे गिरा दिया। होटल संचालक की ओर से शोर मचाने पर तीनों मौके से भाग गए। पीड़ित ने सुबह सेमारी थाने में इसकी रिपोर्ट दी। मंगलवार को रात दस बजे बजे कुंडा निवासी भैरू सिंह राजपूत सेमारी में अपनी होटल बंद कर वापस घर लौट रहा था। तभी खाखरिया के निकट होटल संचालक पर पथराव शुरू हुआ। थोड़ा आगे जाने पर रामुआ के निकट तीन जनों ने बाइक पर लट्ठ से हमला कर भैरा सिंह को नीचे गिरा दिया व मारपीट शुरू कर दी। गनीमत रही शोर मचाने पर बदमाश भाग छूटे व घायल के हाथ में सूजन आ गई। पीड़ित ने बताया कि रजोल के कुछ लोग आगे खड़े मिले, जिनके साथ भी उन्होंने मारपीट की। भैरू सिंह ने पुलिस पर आरोप लगाया कि उनकी लापरवाही से वारदातें हो रही है। इस जगह अक्सर रात आठ बजे बाद घटनाएं होती है। मंगलवार रात दूसरी घटना कुराड़िया रोड पर इंदिरा कॉलोनी में घटित हुई, जहां महेंद्र मेघवाल के घर पर आंगन में सो रही महिलाओं के निकट अज्ञात व्यक्ति आकर खड़ा हो गया व महिला के कान में पहन रखे सोने के जेवर

उतारने का प्रयास किया। इसी दौरान महिला जाग गई व व्यक्ति को ललकारा तो वह भाग गया। व्यक्तियों की संख्या पांच-छह बताई जा रही है। व्यक्तियों ने आसपास के मकानों की बाहर से कुंडी लगा दी थी। तीसरी घटना नरसिंह माता मंदिर के निकट हुई, जहां चोरों ने मकान के बाहर की कुंडी लगा कर बाहर खड़ी राजेन्द्र उर्फ राजू वेद की बाइक को बिना हैंडल लॉक तोड़े उठाकर घर से करीब 600 मीटर दूर ले जाने का मामला सामने आया। बाइक के दोनों पहिए निकाल कर ले गए व बाइक वहीं छोड़ दी। वहीं अनिल बागरी का मोबाइल ले गए, दूसरी बाइक की केबल तोड़ दी। दो दिन पूर्व कस्बे में दोपहर तीन बजे नारायण कलाल के घर के बाहर खड़ी बाइक को अज्ञात व्यक्ति ले गए। दो दिन बाद बाइक खेत में पड़ी मिली। गौरतलब है कि सवा माह पूर्व ड्यूटी कर घर लौट रहे सूचना सहायक राहुल मीणा पर तीन जनों ने चाकू से हमला कर दिया था, इससे राहुल की मौत हो गई थी।

मैकेनिक पर हमला, दो गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

उदयपुर। नाई थाना पुलिस ने तुरंत बाइक ठीक नहीं करने पर मैकेनिक पर जानलेवा हमला करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। एएसआई अमीनलाल ने बताया कि बूझड़ा, नाई निवासी दिनेश पुत्र रामलाल तेली ने रिपोर्ट दर्ज कराई। बताया कि गत 10 जुलाई की रात 8 बजे दो युवक उनके गैराज पर बाइक ठीक कराने आए। उनके भाई हेमंत तेली ने मैकेनिक शेखर के हाथ में अन्य काम होने से कुछ देर में रिपेयरिंग करने की बात कही। इस पर दोनों गुस्सा होकर चले गए। रात 9 बजे वह दुकान से घर जा रहे थे। कालारोही मुड़ाव पर दो युवकों ने उन पर चाकू-लट्ठ से हमला कर घायल कर दिया। इस मामले में पुलिस ने जांच करते हुए एकलव्य कॉलोनी, मल्लातलाई निवासी लोकेश डूंगरी पुत्र शंकरलाल गमेती और ब्रह्मपोल, नाथी घाट निवासी अभय पुत्र रूपलाल तेली को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी को बुधवार को कोर्ट में पेश किया, जहां से 18 जुलाई तक रिमांड पर भेज दिया। इनसे आगे की पूछताछ जारी है।

ब्लॉक के कर्मचारियों का सम्मान

संजीवनी टुडे

सराड़ा।विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन सलूंबर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु और सीएमएचओ डॉ. जेपी बुनकर की उपस्थिति में हुआ। जहां कार्यक्रम में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर पुरुष नसबंदी में सराहनीय योगदान देने के लिए जयसमंद पंचायत समिति के कृष्णपुरा की एएनएम मुन्नी, भालड़िया ग्राम पंचायत की सुनीता, बड़गांव ग्राम पंचायत की सुगंध रोत, बगुरवा ग्राम पंचायत की नवल कुंवर एवं विश्व जनसंख्या दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन सलूंबर जिला कलेक्टर जसमीत सिंह संधु और सीएमएचओ डॉ. जेपी बुनकर की उपस्थिति में हुआ। जहां कार्यक्रम में जनसंख्या नियंत्रण को लेकर पुरुष नसबंदी में सराहनीय योगदान देने के लिए जयसमंद पंचायत समिति के कृष्णपुरा की एएनएम मुन्नी, भालड़िया ग्राम पंचायत की सुनीता, बड़गांव ग्राम पंचायत की सुगंध रोत, बगुरवा ग्राम पंचायत की नवल कुंवर एवं जयसमंद प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र के नर्सिंग ऑफिसर ललित मीणा को पीपीआईयूसीडी व मंगरा थोरी गांव की आशा गंगा मीणा को महिला नसबंदी में सराहनीय योगदान देने के लिए जिला स्तर पर सम्मानित किया गया। सलूंबर जिले में सबसे ज्यादा पुरुष नसबंदी और जनसंख्या स्थायीकरण के लिए जयसमंद मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीष पाठक को भी सम्मानित किया गया। वहीं जयसमंद ब्लॉक में नसबंदी के लिए ग्राम पंचायत वगुरूवा को सम्मान दिया गया।

किसान संघ कुराबड़ की कार्यकारिणी घोषित

संजीवनी टुडे

कुराबड़। भारतीय किसान संघ की कुराबड़ तहसील की कार्यकारिणी की घोषणा की गई। भारतीय किसान संघ के संभाग प्रभारी शारदा कलाल उथरदा ने बताया कि लाल सिंह, वसु अध्यक्ष, शंकरदास वैष्णव वली मंत्री, देवीलाल डांगी खेड़ी उपाध्यक्ष, सुनील आमेटा कुराबड़ सहमंत्री, रणवीर सिंह लालपुरा युवा प्रमुख, मुंगी कुवर जगत महिला प्रमुख, गेमर सिंह रोबा जैविक प्रमुख, लोगर डांगी, प्रचार प्रमुख शिशवी, दौलत सिंह रंग विधि प्रमुख, भंवरलाल लोहार मायदा गौ सेवा प्रमुख, राजेंद्र डांगी भल्लों का गुड़ा विपणन प्रमुख, शंकर पटेल सोमाखेड़ा पर्यावरण प्रमुख, गणपत रैबारी जलसंरक्षण प्रमुख शिशवी, ईश्वर गुर्जर विद्युत प्रमुख परमदा, भारत गर्ग राजस्व प्रमुख बेमला, प्रकाश शर्मा सहकारिता प्रमुख आट, रतनलाल पटेल बैंक प्रमुख वली और रतन पटेल बीमा प्रमुख कोटलिया को दायित्व दिया गया।

डीपीएस के छात्र सोहन को उप राष्ट्रपति सम्मानित करेंगे

संजीवनी टुडे

उदयपुर। दिल्ली पब्लिक स्कूल की कक्षा सातवीं के छात्र सोहन विवेकानंद शेटे दैनिक भास्कर की जूनियर एडिटर-7 प्रतियोगिता में नेशनल क्वालिफायर बने हैं। सोहन को दिल्ली में 18 जुलाई को होने वाले विशिष्ट सम्मान समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ सम्मानित करेंगे। सोहन ने इस प्रतियोगिता में जिले के 50 से अधिक स्कूलों के बीच पहचान बनाकर राज्य स्तर पर क्वालिफाई किया। फिर जीत हासिल कर राष्ट्रीय प्रतियोगिता में जगह बनाई।

देहली गेट से धोली बावड़ी मार्ग पर आज चलेगा बुलडोजर, अतिक्रमण हटाकर खोलेंगे बॉटल नेक

संजीवनी टुडे

उदयपुर।शहर में संकरे रास्तों के साथ बॉटल नेक खोलने के नगर निगम के जारी प्रयासों के बीच गुरुवार को देहलीगेट से धोली बावड़ी मार्ग पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई होगी। निगम दल यहां चना-मूंगफली व अन्य सामग्री बेचने वाले भड़भुजा की दुकान को हटाएगा। इसके बाद यहां बॉटल नेक खोलकर सड़क को चौड़ा किया जाएगा। अभी अतिक्रमण के चलते यहां अक्सर जाम लग जाता है। निगम स्तर पर ये कार्रवाई तब की जा रही है, जब अतिक्रमण करने वाली हुसैना बाई एवं युसूफ मोहम्मद को लगातार दो अलग-अलग नोटिस जारी हो चुके हैं। इसके बावजूद दोनों की ओर से जमीन से जुड़े दस्तावेज पेश नहीं किए जा सके हैं। इससे पहले सिविल न्यायालय (शहर उत्तर) की ओर से 2006 में अतिक्रमियों की बेदखली के आदेश हो चुके हैं।

ईडाणा माता शक्तिपीठ में कल होगा दर्शन दीर्घा विस्तार व भक्त निवास का शिलान्यास

संजीवनी टुडे

सलूम्बर। उदयपुर संभाग की प्रसिद्ध शक्तिपीठ व मेवल महारानी ईडाणा माता प्राकृतिक शक्तिपीठ ईडाणा में शुक्रवार को दर्शनदीर्घा विस्तार के साथ भक्त निवास का शिलान्यास होगा। मंदिर ट्रस्ट के आचार्य अंबालाल शर्मा ने बताया कि देशभर में स्वयं अग्नि से स्नान के लिए प्रसिद्ध शक्तिपीठ ईडाणा माता मंदिर प्रांगण में दूर-दूर से दर्शन के लिए आने वाले यात्रियों को शीघ्र दर्शन करवाने के लिए सुविधाजनक दर्शन के लिए दर्शनदीर्घा का विस्तार किया जाएगा। ईडाणा माता ट्रस्ट अध्यक्ष गोपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि इसी के साथ मंदिर में निरंतर विकास कार्य करते हुए तीर्थ के सौंदर्याकरण व यात्रियों के आवास के लिए प्रस्तावित भक्त निवास का शिलान्यास किया जाएगा। शिलान्यास कार्यक्रम में कई जगहों से अतिथि शामिल होंगे। शिलान्यास पंडितों के वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शुक्रवार शुभ मुहूर्त में सुबह 11 बजकर 6 मिनट पर होगा। इससे पूर्व गायत्री धाम मंदिर ईडाणा के बटुकों की ओर से सुबह 8 बजकर 15 मिनट से देव पूजन करते हुए महायज्ञ किया जाएगा। कार्यक्रम की तैयारियां पूरी कर ली है।

नाबालिग से रेप के आरोपी को 20 साल की सजाः पॉक्सो कोर्ट ने 20,500 रूपए का जुर्माना भी लगाया

संजीवनी टुडे

राजसमंद।राजसमंद की पॉक्सो कोर्ट ने 14 साल की लड़की से रेप के आरोपी को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही 20,500 रूपए का जुर्माना भी लगाया है। पॉक्सो कोर्ट की न्यायाधीश पूर्णिमा गौड़ ने यह फैसला दिया। विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य के अनुसार 11 अक्टूबर 2021 को पीड़िता के नाना ने थानाधिकारी पुलिस थाना देवगढ़ को रिपोर्ट पेश की

थी। जिसमें बताया कि उनकी 14 साल की दोहिती उसके पास ही रहती है। 11 अक्टूबर को उनकी दोहिती सुबह 7 बजे के आसपास घर से शौच करने बाहर गई थी, करीब 7.30 बजे वो रोती हुई उनके पास आई। पूछने पर बताया कि वह शौच करने गई थी तब आरोपी विनोद ने उसे पकड़ कर, जमीन पर पटक कर उसके साथ रेप किया। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर जांच कर पॉक्सो कोर्ट में आरोपी विनोद के खिलाफ आरोप पत्र प्रस्तुत किया। कोर्ट में राज्य सरकार व पीड़िता की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक राहुल सनाढ्य ने 18 गवाह तथा 27 डॉक्यूमेंट कोर्ट में पेश किए। कोर्ट ने दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद आरोपी विनोद को दोषी सिद्ध घोषित किया। इसके बाद 20 साल के कठोर कारावास व 20500 रूपए का जुर्माना लगाया।

झाड़ोल गांव में नई पुलिस चौकी के अस्थाई कार्यालय का लोकार्पण

संजीवनी टुडे

सराड़ा। विश्व विख्यात जयसमंद झील में जाखम एवं माही का पानी नागलिया डेम द्वारा डाइवर्ट कर लाने की योजना का बजट में घोषणा के बाद बुधवार को जयसमंद कस्बे में उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत एवं सलूंबर विधायक अमृतलाल मीणा का ग्रामीणों और भाजपा कार्यकर्ताओं को स्वागत किया। वहीं समीपवर्ती झाड़ोल गांव में नई पुलिस चौकी के अस्थाई कार्यालय का लोकार्पण किया गया। इस दौरान पूर्व जिला मंत्री नरेंद्र मीणा, जयसमंद मंडल अध्यक्ष फतह सिंह सिसोदिया, महामंत्री अनिल चौबीसा, उपाध्यक्ष मोतीलाल औदीच्य पिलादर, देहात किसान मोर्चा प्रवक्ता वालचंद सुथार, विधानसभा संयोजक शांतिलाल मीणा, जीवन सिंह पंवार, कोषाध्यक्ष मांगीलाल जैन, वरिष्ठ कार्यकर्ता गणेशलाल मीणा, अमरपुरा सरपंच भगवती लाल मीणा, जयसमंद व्यापार मंडल अध्यक्ष मांगीलाल जैन, कमलकांत शर्मा, वीरपुरा सरपंच गोता मीणा, जयसमंद युवा मोर्चा अध्यक्ष रोड़ सिंह, दिनेश मेघवाल, युवा मंत्रीमनोज शर्मा वीरपुरा, नाथूलाल लोहार, केशर सिंह पंवार एवं तुलसीराम शर्मा मौजूद

रहे। जयसमंद में पुलिस चौकी होने के बाद अब करीब 7 किलोमीटर दूर झाड़ोल गांव में सरकार द्वारा नई पुलिस चौकी खोलने पर जयसमंद कस्बे में पुलिस थाना खुलने की संभावना जताई जा रही है। क्योंकि जयसमंद में लंबे समय से ग्रामीणों द्वारा मांग की जा रही है। यदि कस्बे में जल्द ही पुलिस थाना खुलेगा तो जयसमंद, झाड़ोल व सल्लाड़ा पुलिस चौकी जयसमंद पुलिस थाने से जुड़ेगी। इधर, झाड़ोल गांव में नई पुलिस चौकी खुलने से लोगों को समय पर सुरक्षा एवं कानूनी कार्रवाई को लेकर फायदा मिलेगा। वहीं अपराधियों एवं असमाजिक तत्वों को लेकर ग्रामीणों को राहत मिलेगी। झाड़ोल पुलिस चौकी में यह गांव जुड़ेंगेः झाड़ोल, वेजपुर, बटूका, पहाड़ी, ढाणी, पादरड़ा, मेलाणा, खलूड़ी मंगरी, केरपुरा एवं डिंगरी आदि गांव चौकी के अंतर्गत आएंगे, जिससे लोगों को राहत मिलेगी।

शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत सुमेरपुर में कार्रवाई, नकली घी के संदेह पर 2200 लीटर घी जब्त

संजीवनी टुडे

पाली। शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा विभाग ने बुधवार को जिले के सुमेरपुर में दो स्थानों पर कार्रवाई को अंजाम दिया। कार्रवाई के दौरान टीम ने नकली घी के संदेह पर कुल 2200 लीटर घी जब्त कर सैंपल जांच के लिए प्रयोगशाला में भिजवाया गया। आमजन को शुद्ध एवं पौष्टिक खाद्य पदार्थ उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से ल्लशुद्ध आहार - मिलावट पर वारल्ल अभियान के तहत अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य श्रीमती शुभ्रा सिंह के निर्देशानुसार बुधवार को सुमेरपुर में पाली सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल के नेतृत्व में खाद्य सुरक्षा दल ने सुमेरपुर कस्बे में कन्हैया ट्रेडर्स पर नकली घी के संदेह पर 1630 लीटर तथा मधुर ट्रेडर्स पर नकली घी के संदेह पर 570 लीटर घी श्री मूल ब्रांड देसी

घी के नाम से बेच रहे घी को जब्त कर सैंपल लेकर नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भिजवाए गए। बुधवार को की गई कारवाई में पाली सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल, सुमेरपुर बीसीएमओ डॉ गोविन्द सिंह चुंडावत, खाद्य सुरक्षा अधिकारी नारायण सिंह इंदा, सुमेरपुर बीपीएम प्रमोद गिरी, सवाई सिंह, लक्ष्मण दान चारण भी साथ रहे। गौरतलब है कि आमजन को शुद्ध आहार मिले, इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह मुस्तैद है। जिले के विभिन्न क्षेत्रों में विभाग के खाद्य सुरक्षा अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करते हुए खाद्य पदार्थ के सैंपल ले रहे हैं। साथ ही आमजन को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 तथा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के बारे में भी जागरूक किया जा रहा है। पाली सीएमएचओ डॉ विकास मारवाल ने जिले के व्यापारियों से अपील की कि वे सरकार के नियमों का पालन कर अपना व्यापार करें। उन्होंने बताया कि प्रायः देखने में आया है कि बहुत से फ़ूड वेंडर फ़ूड लाइसेंस के स्थान पर फ़ूड रजिस्ट्रेशन करवा रहे हैं। जो कि नियम विरुद्ध है। उल्लेखनीय है कि जिन खाद्य विक्रेताओं का वार्षिक बिक्री 12 लाख से अधिक है उन विक्रेताओं का खाद्य लाइसेंस लेना अनिवार्य है तथा 12 लाख से कम बिक्री वाले खाद्य विक्रेताओं को फ़ूड रजिस्ट्रेशन जारी किया जाता है। ऐसे विक्रेता जिन्होंने फ़ूड लाइसेंस के स्थान पर फ़ूड रजिस्ट्रेशन ले रखा है और वार्षिक बिक्री 12 लाख से अधिक है वो सभी नियमानुसार लाइसेंस प्राप्त कर लेंवे अन्यथा नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी

बाल संस्कार केन्द्र के भैया बहनों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

संजीवनी टुडे

सादड़ी। स्थानीय मेघवालों का बड़ा बास में सेवा भारती द्वारा संचालित बाल संस्कार केन्द्र के भैया बहनों का आयुर्वेद चिकित्सक डाक्टर ललित राठौड़ के निर्देशन में स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सेवा भारती के जिला प्रचार प्रमुख दिनेश लूणिया ने बताया कि डाक्टर ललित राठौड़ ने स्वास्थ्य का महत्व बताया तथा स्वस्थ रहने के नुस्खे बताए तत्पश्चात प्रत्येक भैया बहन की ऊंचाई, भार नोट किया गया तथा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। अस्वस्थता के लक्षण वाले भैया बहनों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।इस अवसर पर सेवा भारती सह प्रांत मंत्री विजय सिंह माली ने शिक्षा और स्वास्थ्य को प्रत्येक व्यक्ति का जन्मसिद्ध अधिकार बताया तथा कहा कि हम संतुलित भोजन करके व उचित जीवनचर्या अपनाकर स्वस्थ रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि जिन भैया बहनों में पांडु तथा बालशोष के लक्षण मिले हैं उन्हें शीघ्र ही आरोग्य किट दिए जाएंगे। प्रकल्प शिक्षिका कुसुम भाटी ने आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि सेवा भारती नर सेवा नारायण सेवा के ध्येय के साथ शिक्षा स्वास्थ्य स्वावलंबन तथा सामाजिक आयाम के सेवा कार्य करती हैं।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

भारतीय एकता के प्रतीक राम, नेपाल के कैसे हो गए?

कोरोना संक्रमण का तूफान थमने का नाम नही ले रहा है। सम्पूर्ण विश्व इस महामारी की मार से जूझ रहा है। तो वही कुछ देश इस महामारी की मार में भी अपने गुप्त मनोरथ को पूर्ण करने में लगें है। चीन अपनी विस्तारवादी नीति से वैश्विक पटल का सरदार बन जाना चाहता तो उसी के समकक्ष एक नाम नेपाल का उभर रहा, जो चीन की गोदी में बैठने को इस कदर लालायित है कि वह वर्षों पुराने मित्र भारत से कई अर्थों में बगावत कर रहा। वह पहले नेपाल में कोरोना फैलने का जिम्मेदार भारत को ठहराता। उसके बाद तो उसकी हिमाक़्त इतनी बढ़ जाती कि जो मर्यादा पुरुषोत्तम राम हर भारतवासी के दिलोदिमाग में बसते, उन पर अपना अधिकार जताते में बाज नहीं आता। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली राम को नेपाल का बेटा बताने लगते हैं। उसके बाद बात यहां तक बढ़ जाती कि नेपाल के विदेशमंत्री प्रदीप ज्ञवली ने कहा कि हम केवल विश्?वास के आधार पर सभी बातों को मान रहे, रिसर्च से इतिहास बदल जाएगा। अब ओली राम को किस कारण से और क्यों नेपाली बताते यह तो वही जानें, लेकिन मर्यादा पुरुषोत्तम राम और उनकी अयोध्या सिर्फ़ भारत की है। मनाने के लिहाज़ से सबके अपने-अपने राम हो सकते, क्योंकि कबीरदास जी ने कहा है कि, ''घट बिन कहूँ ना देखिये राम रहा भरपूर, जिन जाना तिन पास है दूर कहा उन दूर।।'' अब जब राम रूपी ईश्वर सभी के शरीर के भीतर ही वास करता हो, फ़िर राम तो सभी के हैं लेकिन वास्तविकता तो यह है कि साक्षात राम अयोध्या के राजा थे और अयोध्या सरयू नदी के तट पर भारत में ही है। वैसे भारत के गौरवशाली इतिहास को कमतर आंकने या उसे छोटा करने की साजिश कोई नई नहीं। ऐसे में हो सकता ओली भी शायद उसी मानसिकता से राम को अपना बता रहें हो। लेकिन यहां ओली को पता होना चाहिए कि भारत की सभ्यता व संस्कृति को धूमिल करने का प्रयास सदियों से होता रहा है। सदियों से देश को बांटने की गंदी राजनीति होती रही है, लेकिन कुछ नही बदला तो वह है इस देश की सनातनी संस्कृति। फ़िर केपी शर्मा ओली का बयान कि अयोध्या भारत में नहीं है। इससे न नेपाल के कोई मंसूबे पूरे होने वाले और न ही उसके आका चीन के मनोरथ। ओली कितना भी कह लें कि असली अयोध्या नेपाल के बीरगंज के गांव में है। भारत की अयोध्या नकली है। कहने से इतिहास नहीं बदल जाता। हां बशर्ते वे अयोध्या और राम को अपना बताते हुए यह भूल गए कि इतिहास में जिस अयोध्या का जिक्र किया गया है जहां भगवान राम जी ने जन्म लिया था वह सरयू नदी के तट पर बसी है। अब ओली जी सरयू नदी कहाँ से लाओगे नेपाल में कुछ इस विषय में भी ज्ञान दे दिया होता तो ज्यादा बेहतर रहता। ऐसे में लगता तो यही कि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इतिहास बहुत कमजोर है। उन्हें इतिहास के पन्नो को उलट कर देख लेना चाहिए था। भारत की प्राचीन सप्तपुरियों में अयोध्या का नाम सबसे पहले आता है। अयोध्या को अथर्ववेद में ईश्वर के नगर के रूप में बताया गया है। स्कन्दपुराण के अनुसार अयोध्या भगवान विष्णु के चक्र पर विराजमान हैं। बेंटली एवं पार्जिटर विद्वानों ने भी 'ग्रह मंजरी' में प्राचीन भारतीय ग्रंथो के आधार पर अयोध्या की स्थापना का काल 2200 ई. पू. माना है। इस वंश में राजा रामजी पिता दशरथ के 63वें शासक के रूप में उल्लेख किया गया है। अयोध्या बृहदत के कई कालो के बाद मगध के मौर्य से कन्नौज के शासकों के अधीन रहा। महमूद गजनी के भांजे सैय्यद सालार ने तुर्क शासन की स्थापना की। 1526 में बाबर ने मुगल राज्य की स्थापना की और उसके सेनापति ने 1528 में मस्जिद का निर्माण करवाया। अयोध्या हिंदुओ के साथ ही जैन तथा बौद्ध धर्म की भी तीर्थ नगरी रही है। यह तो प्राचीन इतिहास की बात हुई। अब नेपाल के प्रधानमंत्री को इतना प्राचीन इतिहास मालूम हो, इस पर तो संशय ही है, क्योंकि वह वामी समूह से ठहरे जिनका ईश्वर और ईश्वरीय रूप से नजदीकियां तो रही नहीं। लेकिन वह इस बात को कैसे भूल गए कि जिस देश में अयोध्या और राम जन्मभूमि को लेकर करीब 491 वर्ष तक विवाद चला हो। जिसका 9 नवम्बर 2019 को ऐतिहासिक फैसला आया हो। जिसमें अयोध्या को रामजन्मभूमि के रूप में न केवल मुस्लिम पक्ष ने भी स्वीकार किया हो बल्कि सम्पूर्ण विश्व इस ऐतिहासिक फैसले को स्वर्णिम दिवस के रूप में स्वीकार किया है। फिर कैसे अयोध्या को लेकर इस तरह से विवादित बयान दिया है यह सोचने वाली बात है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

मुस्लिमों को कूपमंडूक बनाए रखना चाहते हैं गैर भाजपा दल

योगेंद्र योगी

शाह बानो केस में राजीव गांधी की सरकार ने वोट बैंक की खातिर कोर्ट का फैसला बदल दिया था। शाह बानो ने 1978 में इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अदालत से गुजारिश की कि उनके पति को उन्हें गुजारा भत्ता देने के लिए निर्देश दिया जाए। गैरभाजपा राजनीतिक दलों में विशेषकर कांग्रेस ने मुस्लिमों के वोट पाने के लिए उनके अधिकारों को लेकर कभी भी पहल नहीं की। यही वजह रही कि देश का मुस्लिम वर्ग विकास की मुख्य धारा में शामिल होने से पिछड़ गया। इतना ही नहीं गैरभाजपा दलों ने जब कभी मुसलमानों की भलाई का मौका आया तब नजरें चुरा ली बल्कि सत्ता में आने पर पुरानी स्थिति बहाल करने तक का वादा किया। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला सुनाया है। मुस्लिम महिला को पति से गुजारा भत्ता देने की मांग की याचिका थी। कोर्ट ने कहा सभी महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 की मदद ले सकती हैं। यह कानून सभी धर्म की महिलाओं पर लागू होता है। गुजारे भत्ते के लिए अपने पति के खिलाफ याचिका दायर कर सकती है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टिन गॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाया। इस फैसले को गैरभाजपा दल गले नहीं उतार पा रहे हैं। इसी तरह तीन तलाक के फैसले को लेकर कांग्रेस सहित दूसरों दलों ने विरोध किया था। कांग्रेस ने सत्ता में आने पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए तीन तलाक के फैसले को पलट कर वापस तीन तलाक लागू करने का वादा किया था। इससे पहले शाह बानो पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले को कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने कानून में संशोधन करके बदल दिया था। कांग्रेस ने यह सब किया वोट बैंक की खातिर, किन्तु वह भी बच नहीं सका। दूसरे दल मुसलमानों की भलाई की आड़ में अपना उल्लू सीधा करने में ज्यादा आगे निकल गए। गैर कांग्रेस दलों में प्रमुख रूप से पश्चिमी बंगाल में तृणमूल कांग्रेस, उत्तर प्रदेश में समाजवादी और बहुजन समाजवादी पार्टी ने मुस्लिम वोटों की खातिर आतंकवाद के आरोपियों से समझौता तक करने में गुरेज नहीं किया।

शाह बानो केस में राजीव गांधी की सरकार ने वोट बैंक की खातिर कोर्ट का फैसला बदल दिया था। शाह बानो ने 1978 में इसके खिलाफ अदालत का दरवाजा खटखटाया। उन्होंने अदालत से गुजारिश की कि उनके पति को उन्हें गुजारा भत्ता देने के लिए निर्देश दिया जाए। साल 1985 में सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के पक्ष में फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने मोहम्मद अब्दुल को अपनी तलाकशुदा बीवी को 20,000 रुपए गुजारा भत्ता देने का कहा गया था। समद ने अपनी बीवी को तीन तलाक दिया था। इसके जवाब में तत्कालीन राजीव गांधी की सरकार ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम 1986 लागू कर दिया। इस अधिनियम ने तलाक के बाद केवल 90 दिनों तक मुस्लिम तलाकशुदा महिलाओं को अपने पूर्व पति से गुजारा भत्ता पाने के अधिकार को प्रतिबंधित कर दिया। इसी तरह मुस्लिमों की आधी आबादी के पक्ष में जब तीन तलाक को निरस्त सुप्रीम कोर्ट द्वारा निरस्त किया गया तब भी गैरभाजपा दलों ने काफी हायतौबा मचाई थी। सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की संविधान पीठ ने 22 अगस्त 2017 को अपने फैसले में ट्रिपल तलाक को असंवैधानिक घोषित कर दिया था। कोर्ट ने 1400 साल पुरानी प्रथा को असंवैधानिक करार दिया था और सरकार से कानून बनाने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद केंद्र सरकार ने कानून बनाते हुए एकसाथ तीन बार तलाक बोलकर या लिखकर निकाह खत्म करने को अपराध की श्रेणी में शामिल कर लिया। इस अपराध के लिए अधिकतम तीन साल कैद की सजा का प्रावधान भी है। तीन तलाक के मुद्दे पर गैरभाजपा दलों का असली चेहरा तब सामने आया जब संसद में इसके मामले में कानून पास करने से पहले वोटिंग हुई। गैरभाजपा दल ट्रिपल तलाक के खिलाफ थे, लेकिन राज्यसभा से वोटिंग के पहले भाग गए। इनमें बसपा के 4, सपा के सात, एनसीपी के 2, पीडीपी के 2, कांग्रेस के 5, टीएमसी, वामपंथियों पार्टियों, आरजेडी, डीएमके और वाईएसआर कांग्रेस के एक-एक सांसद अनुपस्थित रहे। बिल को पास कराने के लिए एनडीए को 121 सदस्यों का समर्थन चाहिए था, लेकिन सांसदों की बड़ी संख्या में अनुपस्थिति की वजह से सदन में बीजेपी की स्थिति मजबूत हो गई और वह बिल पास कराने में सफल रही। विपक्ष के भागने की वजह यह रही कि भाजपा इसे मुद्द बना कर मुस्लिम महिलाओं से उनके खिलाफ धरना-प्रदर्शन नहीं करवा दे। बिल पर बहस के दौरान वाईएसआर कांग्रेस के विजय साई ने कहा कि बिल का मैं 6 कारणों से विरोध करता हूं। लेकिन वोटिंग के दौरान विजय साई सदन में अनुपस्थित थे। बसपा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा का कहना था कि हमारी पार्टी इस बिल के खिलाफ है और इसे सेलेक्ट कमेटी के पास भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने इसे नकार दिया है और आप फिर से इसे अस्तित्व में लाना चाहते हैं। इस बिल से महिलाएं सबसे ज्यादा प्रताड़ित होने वाली हैं क्योंकि पुरुष के जेल जाने के बाद महिलाएं भी कहीं की नहीं रह जाएंगी। सरकार ने बच्चों की देखरेख करेगी और न महिलाओं को गुजारा भत्ता देगी, ऐसे में उनका जीवन कैसे चलेगा। तीन तलाक पर इस तरह मुखर होने के बावजूद बसपा का कोई सांसद सदन में उपस्थित नहीं था। एनसीपी सांसद माजिद मेमन ने भी बिल का विरोध किया। उन्होंने कहा कि कहा कि आप किसी को बगैर अपराध के 3 साल की सजा देने जा रहे हैं, तलाक कहना कोई अपराध नहीं है। जेल में जाने के बाद भी शादी खत्म नहीं होगी और महिला को गुजारा भत्ता के लिए मजिस्ट्रेट के पास जाना होगा। जेल में रह रहा पति कैसे पत्नी को भत्ता दे पाएगा, ऐसे में कानून फ़ेल हो गया। यह बिल पूरी तरह राजनीति से प्रेरित है। मगर जब बिल को सेलेक्ट कमेटी के पास भेजने के लिए सदन में वोटिंग हो रही थी, उस दौरान एनसीपी प्रमुख शरद पवार और प्रफुल्ल पटेल उपस्थित नहीं थे। तीन तलाक बिल का विरोध करने वाले एनडीए के सहयोगी दल तो वॉकआउट कर गए जिनमें अन्नाद्रमुक, जेडीयू शामिल हैं। गैर-एनडीए और गैर-यूपीए टीआरएस सदन में गैर मौजूद रही।

कांग्रेस के अल्पसंख्यक महाधिवेशन में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव ने कहा था कि अगर हमारी सरकार आई, तो नरेंद्र मोदी सरकार के लाए ट्रिपल तलाक कानून को खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ये कानून मुस्लिम पुरुषों को जेल में भेजने की एक साजिश है। इस सम्मेलन में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। लेकिन कोई भी कांग्रेसी नेता एक लफ्ज तक नहीं बोला। तीन तलाक पर पाबंदी का फैसला हो या मेंटीनेंस पाने का हक, मुस्लिम आधी आबादी लंबे अर्से से अपने अधिकारों के प्रति अंधेरे में रही है। उलेमाओं और मौलवियों ने ऐसे अधिकारों का हमेशा से विरोध किया है। वोट बैंक के लालच में कांग्रेस सहित दूसरे दलों ने हमेशा मुस्लिम महिलाओं को अधिकारों से वंचित करने की पैरवी की है। यदि ये दोनों अधिकार कांग्रेस आजादी के बाद मुस्लिम महिलाओं को कानूनी तौर पर मुहैया करा देती तो आज देश में मुसलमानो के विकास की सूरत अलग होती। किसी भी शिक्षित और जागरुक कौम को आसानी से बरगलाया नहीं जा सकता। गैरभाजपा विपक्षी दलों ने मुसलमानों को जागरुक करने और शिक्षित करने के लिए भी पर्याप्त कदम नहीं उठाए। यहां तक मुसलमानों के खैरख्वाह बनने का दंभ भरने वाले राजनीतिक दलों ने उन्हें राजनीति में पर्याप्त प्रतिनिधित्व तक नहीं दिया। यही वजह रही आजादी के बाद जितनी तरक्की मुसलमानों को करनी चाहिए थी, उसकी तुलना में पिछड़ गए।

विचार बिन्दु

कांग्रेस के अल्पसंख्यक महाधिवेशन में महिला कांग्रेस की अध्यक्ष सुष्मिता देव ने कहा था कि अगर हमारी सरकार आई, तो नरेंद्र मोदी सरकार के लाए ट्रिपल तलाक कानून को खत्म कर देंगे। उन्होंने यह भी कहा कि ये कानून मुस्लिम पुरुषों को जेल में भेजने की एक साजिश है। इस सम्मेलन में कांग्रेस के तत्कालीन अध्यक्ष राहुल गांधी समेत अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे। लेकिन कोई भी कांग्रेसी नेता एक लफ्ज तक नहीं बोला। तीन तलाक पर पाबंदी का फैसला हो या मेंटीनेंस पाने का हक, मुस्लिम आधी आबादी लंबे अर्से से अपने अधिकारों के प्रति अंधेरे में रही है। उलेमाओं और मौलवियों ने ऐसे अधिकारों का हमेशा से विरोध किया है।

समकालीन दिग्भ्रमित समाज के लिए भगवान परशुराम जैसा सामर्थ्य जरूरी

जब हम भगवान परशुराम को याद करते हैं तो उस परम तेजस्वी सत्ता का एहसास होता है जो अपने तपोबल और बाहुबल से समकालीन दिग्भ्रमित समाज को सही दिशा देने की अथक कोशिश करते हैं। तब उनके कतिपय साहसिक पहल से हर ओर सुख-शांति-समृद्धि की संस्थापना होती है। इस क्रम में वो अपने सम्मुख उपस्थित आपद धर्म का निर्वहन भी कुशलता पूर्वक करते हैं। यद्यपि उनकी कुछेक क्रूरता की सराहना कोई भी सभ्य समाज नहीं कर सकता है, लेकिन जिन परिस्थितियों में उन्होंने ऐसा किया होगा, यह तय है कि उसके अलावा उनके समक्ष कोई चारा भी नहीं रहा होगा। संभव है कि लोहा ही लोहे को काटता है, जैसे अकाट्य सिद्धातों का उन्होंने वरण किया और देश-समाज की दिशा अपने फरसे से बदल दी।

यह कटु सत्य है कि उन्होंने कभी भी लकीर का फकीर बनकर कोई कार्य नहीं किया और न ही कभी किंतु-परन्तु के मायाजाल में उलझने की कुचेष्टा की। इसलिए कई मायनों में वो मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम और सोलह कलाओं में निपुण भगवान कृष्ण से भी अव्वल समझे जाते हैं। यह बात अलग है कि परवर्ती सत्ता पर काबिज सूर्यवंशी और चंद्रवंशी शासकों या उनके सान्निध्य में राज करने वाले राजाओं और उन पर आश्रित विद्वानों ने कभी भी भगवान परशुराम के जीवन कर्मों में निहित लोककल्याणकारी संदेशों के मर्म को समझने और उन्हें सराहने की सुचेष्टा नहीं की। जबकि, समकालीन मदमस्त सत्ता को जनकल्याणार्थ उन्होंने कई बार धोया था, अमूर्त रूप से धो रहे हैं और आगे भी सूक्ष्म रूप में धोते रहेंगे। ऐसा इसलिए कि वो उन सात देवों में एक शुमार किए जाते हैं जिनकी इहलौकिक व पारलौकिक सत्ता से कोई भी युग संदेशवाहक इंकार नहीं कर सकता है।

सच कहा जाए तो वर्तमान में दिग्भ्रमित भारत के लिए जिस साहसिक और सुदृढ़ नेतृत्व की दरकार महसूस की जाती रही1 है, उसमें भगवान परशुराम के जीवन चरित्र और शासकीय स्वभाव कई मायनों में उपयोगी समझे जाते हैं। क्योंकि उनके बहुतेरे लोक आदर्श अद्भुत हैं, अकल्पनीय हैं और अविस्मरणीय भी। आसेतु हिमालय में बनने वाले साम्राज्यों की यह अघोषित परम्परा रही है कि जब जब वक्त और व्यक्तित्व सीमा से अधिक बेदर्द हुआ, अंतस ऊर्ज़ा से ऊर्ज़ान्वित और देश-काल-पात्र से प्रोत्साहित कोई न कोई सशक्त और शानदार नेतृत्व तैयार हुआ, जिसने समकालीन अभिशप्त समाज को उसके लगभग सभी संत्रासों से मुक्ति दी और प्रशंसनीय परशुराम-राज्य की संस्थापना करने की अथक कोशिश भी की। इस बात में कोई दो राय नहीं कि सनातन परंपरा में कुल सात ऐसे चिरजीवी देवता हैं, जो युगों-युगों से इस पृथ्वीलोक पर मौजूद हैं और किसी न किसी रूप में इस सृष्टि की रक्षा और सम्यक संचालन करते रहने को प्रयत्नशील रहते हैं। इन्हीं में से एक भगवान विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम भी हैं, जो उनके आवेशावतार समझे जाते थे। उन्होंने आवेश में ही सही, लेकिन बड़े बड़े युगांतकारी कार्य किये हैं। लोक मान्यता है कि भगवान परशुराम का जन्म मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम प्रभु के जन्म से पहले वैशाख शुक्ल तृतीया (अक्षय तृतीया) के दिन रात्रिकाल के प्रथम प्रहर में हुआ था। रोचक बात तो यह है कि उनके जन्म समय को सतयुग और त्रेतायुग का संधिकाल माना जाता है। वास्तव में, वे भगवान शिव के परमभक्त थे और न्याय का देवता भी। इसलिए उनके जीवन संघर्षों से भी बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

यह बात दीगर है कि भगवान परशुराम के क्रोध से स्वयं विघ्नहर्ता गणेश भी नहीं बच पाये थे।

18 जुलाई की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1947	भारतीय स्वाधीनता अधिनियम अधिनियम को शाही स्वीकृति मिली।
1973	अफ़ग़ानिस्तान में राजशाही की समाप्ति एवं गणराज्य की स्थापना।
1980	भारत में निर्मित उपग्रह प्रक्षेपण वाहन एस.एल.वी.- 3 से रोहिणी उपग्रह को कक्षा में भेजा गया। टेलीविजन से पहला रंगीन प्रसारण मद्रास से किया गया।
1994	ब्राजील ने चौथी बार विश्व कप फ़ुटबाल चैंपियनशिप जीती।
1999	विश्व के विमानन इतिहास में सर्वाधिक घंटे तक विमान उड़ाने का रिकार्ड बनाने वाले एडलोग का निधन, फ़िलिस्तीन के ओसामा बरहाम को लगभग 6 वर्ष की क़ैद के बाद इस्रायल ने आज़ाद किया।
2000	रातू जोसेफा इलोइलो द्वारा फिजी के राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण।
2002	तेल अवीव में बम विस्फोट में 6 मरे, 40 घायल। डा. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम देश के 12 वें राष्ट्रपति चुने गए। सड़कों के सुधार पर विस्तार के लिए, एशियाई विकास बैंक ने छत्तीसगढ़ को 20 करोड़ डालर की सहायता मंजूर की।
2003	वाई. वेणुगोपाल रेड्डी रिजर्व बैंक के नये गर्वनर बने।
2004	अमेरिका ने 50 करोड़ डालर का पाक का कर्ज़ा माफ किया।
2005	मनमोहन-बुश वार्ता के बाद अमेरिकी प्रशासन ने भारत को परमाणु ऊर्ज़ा और उच्च प्रौद्योगिकी विषयक आपूर्ति पर लगाये गए प्रतिबंधों को हटाने का फैसला किया।

तालिबानी आतंकवाद के खिलाफ अफगान महिलाएं बंदूक उठाने को तैयार

विचार बिन्दु

संजीव ठाकुर,

अफगान में लगातार हो रहे आतंकी हमला से भारत भी चिंतित है ,ऐसा ना हो कि भारत को अफगानिस्तान के आह्वान पर अपनी सेना वहां शांति बहाली की पहल के लिए भेजनी पड़ सकती है

पिछले 20 साल से तालिबानी आतंकवादी अफगानिस्तान में अपनी मनमानी तथा दादागिरी करते आ रहे हैं ।और कठोर इस्लामिक कानून लागू करने पर आमादा है। और इसके चलते तालिबानी आतंकवादी वहां की महिलाओं का बलात्कार, लूट,अपहरण करने में लगे हुए हैं।ऐसी जघन्य वारदातों से वहां की महिलाएं तथा युवतियां त्रस्त होकर तालिबान के खिलाफ पुरुष सैनिकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हथियार उठाने के लिए तत्पर हो गई हैं।वह अपनी जान की परवाह किए बिना ही तालिबानी आतंकवादियों से दो-दो हाथ तथा लड़ने के लिए तैयार है।इस का परिणाम जो भी हो पर इन महिलाओं, युवतियों से अफगानिस्तान के नागरिको तथा शासन प्रशासन का हौसला जरूर दुगना हो गया है। ये महिलाएं तथा युवतियां अंतिम सांस तक लड़ने को तैयार है। अमेरिका और अफगानिस्तान के बीच फरवरी 2020 में हुए समझौते के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सारी सेना 11 सितंबर 2021 तक वापस बुलाने का फैसला कर लिया था। और इसी तारतम्य में वह अपनी सेना की वापसी भी कर रहा है। और अचानक सारे अमेरिकी सैनिकों तथा नाटो की सेना ने अफगानिस्तान से वापसी कर ली हैद्य अमेरिका 11 सितंबर को आतंकी हमले की बीसवीं वर्षगांठ तक अफगानिस्तान से सभी से सैनिकों को बुलाना चाहता था पर रातो रात अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान छोड़कर अमेरिका लौट गए द्य तालिबान तथा अफगानिस्तान के बीच घातक संघर्ष को समाप्त करने के प्रयास में यह कदम उठाया गया था।इस संघर्ष में अरबों डालर और खर्च हुए थे, और दो हजार से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों की जान चली गई। अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी के साथ-साथ तालिबानी आतंकवादियों की गतिविधि तेज हो गई है। वे अफगानिस्तान में मुस्लिम कानून लागू करना चाहते हैं,और अफगानिस्तान की सेना के साथ संघर्ष में लगे हुए हैं।इस दौरान विगत दिनों तालिबानी आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान के लगभग 50 से जिलों में बलात कब्जा भी कर लिया गया हैद्य विदेशी जानकारों का यहां तक कहना है कि अमेरिका के अंतिम सैनिक की वापसी तक कहीं ऐसा ना हो कि तालिबानी देश के आतंकवादियों द्वारा अफगानिस्तान शासन पर कब्जा जमा कर वहां अपनी हुकूमत चलाने लगे। अफगानिस्तान में तालिबानी आतंकवादियों के कारण भारी जानमाल का नुकसान झेलना पड़ रहा है, और लगातार आतंकवादी वहां पर बम और ग्रेनेड से हमले कर लोगों की जान ले रहे हैं। हालांकि अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने अपने एक बयान में कहा है कि हमारी वर्तमान सैनिक क्षमता मौजूदा खतरों के खिलाफ अफगानिस्तान की रक्षा करने में सक्षम है। फिर भी यह अभी भी हवा में तैर रहा है कि अमेरिका के सैनिकों की वापसी के साथ-साथ अफगानिस्तान आतंकवादी गतिविधियों का एक सुलभ केंद्र ना बन जाए।

अमेरिकी व्हाइट हाउस के प्रेस सेक्रेटरी जेन साकी ने है ।न्यूज़ एजेंसीओं को बताया क अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और अफगानिस्तान के उनके समकक्ष अशरफ गनी से मुलाकात के दौरान चर्चा हुई कि अफगानिस्तान फिर से आतंकवादी समूहों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह न बने, और अमेरिका मानवीय सहायता को लागू करने के लिए एक साथ अफगानिस्तान के साथ कैसे काम कर सकेगा। अफगानी राष्ट्रपति की अमेरिकन राष्ट्रपति के साथ मुलाकात बहुत ही संवेदनशील तथा महत्वपूर्ण है। अफगानिस्तान तालिबानी आतंकवादियों से बहुत ज्यादा परेशान एवं भयाक्रांत है। और वह विदेशी सहायता से इसका हल निकालना चाहता है। अमेरिकी राष्ट्रपति की अमेरिका के सैनिकों की अफगानिस्तान से वापसी करने की घोषणा के जवाब में अफगानिस्तान के राष्ट्रपति गली अशरफ ने बयान देकर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति के फैसले का स्वागत करते हैं और 2020 में हुए अफगानिस्तान के राष्ट्रीय रक्षा तथा सुरक्षा बल फरवरी 2020 के अमेरिकी तथा तालिबानी समझौते के बाद अफगानिस्तान अपने देश की जनता तथा भूभाग की रक्षा के लिए स्वतंत्र रूप से अधिकांश कार्यवाही तथा ऑपरेशन करने में सक्षम है। एवं लगातार वह कार्रवाई भी तालिबान के खिलाफ कर रहा है। अफगानिस्तान एक छोटा किंतु सामरिक महत्त्व का देश है।

छात्र जीवन में शाकाहार का महत्व

हैल्थ संवाददाता

विद्यार्थी जीवन में रोगमुक्त, खुशहाल और लंबी जिंदगी जीने के लिए आहार में फलों और सब्जियों की मात्रा बढ़ाकर हो, इससे छात्रों को पढ़ाई से आंख पर पड़ने वाले प्रभाव कम होते है। हरी सब्जी आंखों की रोशनी बढ़ाने में मदद करती है। एक नए शोध में मुताबिक फल और सब्जियों के अधिक सेवन से सभी तरह की बीमारियों खासतौर से दिल की बीमारियों के कारण होने वाली मृत्यु का खतरा कम होता है। वर्तमान में फलों और सब्जियों का अधिक सेवन स्वास्थ्य और लंबी आयु को बढ़ावा देता है। अध्ययन में बताया गया है कि प्रतिदिन फल और सब्जियों की एक खुराक से सभी बीमारियों से होने वाली मौत का खतरा औसतन पांच फीसदी और दिल की बीमारियों का खतरा चार फीसदी कम होता है। एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ शोधपत्र में प्रकाशित अध्ययन में कहा गया कि प्रतिदिन फल सब्जियों की सात खुराक लेने से मृत्यु का खतरा कम होता है।

दिनचर्या के लिए दिनचर्या

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ दिमाग का निवास होता है, यदि शरीर ही अस्वस्थ हो जाए तो दिमाग का स्तर भी कमजोर हो जाता है। हमारा मन पढ़ाई में नहीं लगता, अनिंद्रा, चिड़चिड़ापन आदि बमारियां हमें घेर लेती है, जिससे हमारे अध्यापन पर बुरा असर पड़ता है। विद्यार्थी जीवन में दिनचर्या का अपना विशेष महत्व होता है। दिनचर्या के बिना छात्र का काम अस्त-व्यस्त हो जाता है, दिनचर्या में सुबह उठने से लेकर रात को सोने तक का कार्यक्रम क्रमबद्ध होना चाहिए। छात्र जीवन एक तपस्या है और बिना तपस्या के कुछ भी हासिल नहीं किया जा सकता। तप कर ही विद्यार्थी जीवन सफल होता है। विद्यार्थी जीवन में पवित्र व शाकाहारी भोजन होना चाहिए। वसायुक्त भोजन आपकी सेहत को खराब कर सकती है। दिनचर्या का अमल करना सभी के लिए सांझे रूप से उपयोगी एवं स्वास्थ्यरक्षक सिद्ध होगा।

खेलकूद का हो समय निश्चित

शाम को थोड़ा समय खेलकूद और मनोरंजन के लिए निश्चित रखें। टी.वी. ज्यादा न देखें, सिर्फ ज्ञानवर्द्धक कार्यक्रम ही देखें, ताकि नेत्र ज्योति खराब न हो और व्यर्थ समय नष्ट न हो। शाम का भोजन सोने से तीन घंटे पहले कर लिया करें, ताकि ठीक से हजम हो सके। सोते समय एक गिलास ठंडा किया हुआ दूध पी सकें तो अवश्य पिया करें। यदि आपका शरीर दुबला हो तो इसमें 1-2 चम्मच शहद घोलकर पिया करें। सोने से पहले कुल्ले (दन्त मंजन) करके मुंह साफकरना जरूरी है। शाम को 2.3 घंटे पढ़ाई करके 10 से 11 बजे के बीच सो जाया करें। सोते समय दिमाग से सोच-विचार हटाने के लिए अपनी सांस आने-जाने पर ध्यान लगाया करें। इससे नींद जल्दी और गहरी आती है। सोने से पहले हाथ, पैर, मुंह धो लिया करें। सोते समय यह संकल्प करें कि सुबह इतने बजे उठना है। इससे बिना अलार्म के भी ठीक उसी वक्त आपकी नींद खुल जाया करेगी, जितने बजे उठने का संकल्प करेंगे।

कही आपके बच्चे टेंशन में तो नहीं...

हैल्थ संवाददाता

पैरंट्स के सामने अक्सर यह परेशानी आती है कि वह बच्चों में टेंशन का पता नहीं लगा पाते। टेंशन का शिकार बच्चा नॉर्मल ही दिखता है किन्तु उसके बर्ताव को बारीकी से देखने पर पता लगाया जा सकता है कि वह टेंशन में है।

टेंशन के लक्षण

भूख न लगना, पढ़ाई में मन न लगना, गुमसुम रहना, बिना किसी बात के रोना, चिड़चिड़ा हो जाना, अकेले ज्यादा वक्त बिताना और सोचते रहना, बाकियों के साथ बेवजह गुस्से भरा बर्ताव करना, स्कूल से अचानक ज्यादा शिकायतें आना, जिद करना,
अगर इनमें से कोई भी लक्षण दिखें तो उन्हें गंभीरता से लें। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि ये

लक्षण किसी और बीमारी के भी हो सकते हैं। इसलिए पैरंट्स को पूरी तरह से जांच करा लेनी चाहिए।

कैसे कम होगा टेंशन

यदि आपका बच्चा टेंशन में है तो इसे फौरन दूर करने के उपाय खोजें। बच्चों में टेंशन की दस्तक सुनते ही इन बातों पर अमल करें

साथ बिताएं वक्त: पैरंट्स को अपने बच्चों के साथ वक्त बिताना चाहिए। बच्चे अपने पैरंट्स के सबसे ज्यादा करीब होते हैं और उनके साथ कुछ क्वॉलिटी टाइम बिताना चाहते हैं। बच्चों के बड़े होने तक पैरंट्स को उन्हें वक्त देना चाहिए।

चलो दोस्त बन जाएं : कुछ पैरंट्स बच्चों को छोटी-छोटी गलतियों पर उन्हें डांट देते हैं। उनकी कोई भी बात सुने बिना केवल अपने फैसले थोपते रहते हैं। इससे बच्चों के मन में पैरंट्स के लिए एक डर का भाव पैदा हो जाता है, जिसके कारण वह अपनी बातें कहने से डरने लगता है। पैरंट्स को अपने बच्चों का दोस्त बनना भी जरूरी है ताकि वे अपनी सभी बातों को उनसे शेयर करें। बच्चे के साथ स्कूल में या बाहर कोई भी अनहोनी घटना होती है या ऐसा कुछ होता है जिससे वह टेंशन में आ जाता है तो उसे धैर्य से सुनें और समझने-सुलझाने की कोशिश करें।

करो अपने मन की

बच्चों को फ्रीडम देना भी जरूरी है लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि उन्हें बेवजह कुछ भी करने की छूट दे दी जाए। बच्चों को फ्रीडम देने का मतलब है कि वे अपने करियर में जो भी करना चाहे उसे समझें और सही दिशा देने में मदद करें। इसके अलावा बच्चों को कुछ फैसले लेने का हक देने से वह खुद को महत्वपूर्ण समझने लगते हैं।

मनी मैनेजमेंट

बच्चों को मनी मैनेजमेंट भी सिखाना चाहिए। पैरंट्स को बच्चों की पॉकेट मनी का हिस्सा तय कर देना चाहिए। यह हिस्सा न तो बहुत कम हो न ही बहुत ज्यादा। पॉकेट मनी को सही जगह खर्च करने और सेविंग की सीख भी आप ही उन्हें दे सकते हैं। यदि कोई बच्चा पॉकेट मनी को लेकर अमीर बच्चों के सामने हीनभावना का शिकार होता है तो पैरंट्स को उसे धैर्य के साथ समझाना चाहिए। आप बच्चे की उम्र के हिसाब से पॉकेट मनी तय कर सकते हैं मिसाल के तौर पर पांचवीं क्लास के बच्चों को 10 रुपये रोज तक दिए जा सकते हैं। उससे बड़े बच्चों को 20-30 रुपये। इसी तरह ज़रूरत के हिसाब से इस रकम को कम-ज्यादा किया जा सकता है। यदि बच्चा टेंशन में है तो उसके आसपास के माहौल को खुशहाल बनाकर टेंशन को घटाया जा सकता है। सबसे पहले ध्यान रखना चाहिए कि घर में माहौल सौहार्दपूर्ण रहे। यदि तब भी वह टेंशन में है तो पैरंट्स को स्कूल, ट्यूशन और अन्य ऐसी जगहों, जहां बच्चे का रोजमर्रा में जाना होता है, वहां का माहौल देखना चाहिए। यदि कुछ गलत है तो फौरन कार्रवाई करें।

रूटीन में करे बदलाव

बच्चा यदि टेंशन में है तो उसे फौरन उस कंडिशन से बाहर लाने की कोशिश शुरू कर देनी चाहिए। इसके लिए आप उसे किसी डांस क्लास, स्विमिंग आदि जैसी एक्टिविटी में आगे बढ़ा सकते हैं। उसे बाहर घुमाने ले जा सकते हैं। इस तरह से रूटीन में बदलाव करने से उसका ध्यान दूसरी जगहों पर जाएगा और टेंशन में कमी आएगी।

साइकायट्रिस्ट के पास जाएं

अक्सर लोग टेंशन के लिए साइकायट्रिस्ट के पास नहीं जाते क्योंकि वह साइकायट्रिस्ट के पास जाने को पागलपन से जोड़ने लगते हैं। यह गलत धारणा है। साइकायट्रिस्ट से सलाह करना पागलपन नहीं है। यदि टेंशन खत्म न हो तो बच्चे को साइकायट्रिस्ट के पास जरूर ले जाएं। साइकायट्रिस्ट अक्सर काउंसलिंग से ही स्थिति को कंट्रोल कर लेता हैं। यह काउंसलिंग बच्चे के साथ पैरंट्स को भी दी जाती है। इससे बच्चे में तेजी से सुधार आता है।

साइकायट्रिस्ट और साइकॉलजिस्ट में फर्क

अक्सर लोग साइकायट्री और साइकॉलजिस्ट के बीच कन्फ्यूज़ हो जाते हैं और समझ नहीं पाते कि टेंशन की कंडिशन में किसके पास जाएं। साइकायट्रिस्ट दवाओं से मानसिक बीमारियों को ठीक करता है जबकि साइकॉलजिस्ट काउंसलिंग, साइको थेरपी, आईक्यू टेस्ट, पर्सनैलिटी टेस्ट आदि टेस्ट करता है। टेंशन की स्थिति में कोगनिटिव बिहेवियर थेरपी से काम चल जाता है। टेंशन होने पर साइकायट्री या साइकॉलजिस्ट किसी के पास भी जाया जा सकता है।

प्रेग्नेंसी में न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान यदि मां टेंशन में रहती है तो इसका असर पैदा होने वाले बच्चे पर भी पड़ सकता है। टेंशन की शिकार किसी भी महिला को सबसे पहले तो प्रेग्नेंसी में ही समस्या होती है। अगर प्रेग्नेंसी के दौरान भी टेंशन बना हुआ है तो इसका असर बच्चे के विकास पर भी पड़ सकता है। इसके अलावा पैदा होने के बाद भी उसमें कुछ बीमारियां हो सकती हैं। तनाव का उसके दिल पर बुरा असर पड़ सकता है। इसीलिए प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को टेंशन में नहीं रहना चाहिए। यदि कभी टेंशन की स्थिति आती है तो ऐसे में उन्हें जल्द ही इससे बाहर आने की कोशिश शुरू करनी चाहिए।

योग करेगा टेंशन फ्री

योग इंसान को हेल्थी रखने महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और यह इंसान पॉजिटिव सोच वाला बनता है और टेंशन की स्थिति से बचा रहता है। रोज योग के साथ-साथ ध्यान करने से बुद्धि तेज होती है, याद्दाश्त बढ़ती है, कॉन्फिडेंस बढ़ता है और बुरे वक्त में भी बैलेंस बना रहता है। ऐसे में आपको बच्चों को इसके लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। टेंशन में आप उनके साथ योग सीखने के लिए जा सकते हैं और बच्चे के साथ योग कर सकते हैं।

कुछ टिप्स बच्चों के लिए

टेंशन में बच्चों को भी कुछ बातों का ध्यान रखना चाहिए और उससे बाहर आने के लिए उपाय खुद करने चाहिए। इन बातों का ध्यान रख बच्चे खुद भी टेंशन को मात दे सकते हैं टेंशन की स्थिति में किसी से बात करना बहुत जरूरी है। यदि आप भी किसी बात को लेकर परेशान हैं तो उसे अपने पैरंट्स या किसी और से शेयर करना चाहिए। गेम्स बच्चों को टेंशन से फौरन बाहर लाते हैं। बच्चों को बाहर जाकर फ़िज़िकल ऐक्टिविटी वाले गेम खेलने चाहिए। यदि आपको स्विमिंग पसंद है तो वह ज़रूर करनी चाहिए। इनडोर गेम्स में चेस, लूडो, कैरम आदि गेम्स टेंशन बस्टर साबित होते हैं। टेंशन में टीवी और मोबाइल से दूर रहना चाहिए। यदि आप टीवी देखने के शौकीन हैं तो कॉमिडी वाले प्रोग्राम देखें। ऐसे में क्राइम व सीरियस प्रोग्राम्स से बचना चाहिए। अगर पढ़ाई को लेकर टेंशन है तो टाइम टेबल बनाकर इससे निपटा जा सकता है। अगर आपकी किसी दोस्त से लड़ाई हो गई है तो आपको खुद उससे बात कर लेनी चाहिए। दोस्ती में सारी गलतियां माफ़ होती हैं। रात को जल्दी सोना चाहिए और पूरी नींद लेनी चाहिए। तनाव में कैफीन वाले ड्रिंक्स जैसे चाय, कॉफी, कोला आदि लेने से बचना चाहिए। यदि टेंशन बढ़ता जा रहा है तो डॉक्टर की मदद लेनी चाहिए।

दांतों को अच्छी तरह करें साफ

नित्यकर्म ,मुख धोना ,दन्त-मंजन करना,शौच जाना और स्नान करना, तथा व्यायाम से निवृत्त होकर पानी में भिगोए हुए चनों को खूब चबा.चबाकर खाना चाहिए। यह अत्यन्त पौष्टिक और बलवर्द्धक नाश्ता है। अपनी पढ़ाई करके स्कूल या कॉलेज का जो भी समय हो, उसके अनुसार सुबह-शाम के भोजन का समय निश्चित कर लें और निश्चित समय पर ही भोजन किया करें। भोजन करते समय मन को भोजन पर ही एकाग्र रखें, ताकि प्रत्येक कौर खूब अच्छी तरह से चबा-चबाकर निगल सकें।

नित्यक्रिया से होता आभ्यांतरिक शुद्धि

सूर्योदय से पहले नित्यकर्मों से निवृत्त होने का उद्देश्य यह है कि वातावरण में सूर्य की गरमी फैले इससे पहले ही शौच क्रिया द्वारा मल शरीर से बाहर हो जाए और शीतल जल से स्नान करने से रात को सोने के कारण शरीर में बढ़ी गरमी दूर हो जाए, ताकि मलाशय, अमाशय, पाकाशय, मूत्राशय, शुक्राशय आदि पर व्याप्त हो जाने वाली अतिरिक्त उष्णता कम हो जाए। शरीर में अतिरिक्त उष्णता का होना या बढ़ना शरीर और स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। सूर्योदय के बाद तक भी जो सोए रहते हैं, उनके शरीर के सभी अंग-प्रत्यंग बढ़ी हुई गरमी से ग्रस्त तो होते ही हैं, ऊपर से वातावरण में व्याप्त सूर्य की गरमी उसमें और वृद्धि कर देती है। इससे कई व्याधियां उत्पन्न होती हैं।

भोजन के समय ना करें बात

भोजन करते समय बातचीत करना इसीलिए वर्जित किया गया है, ताकि ध्यान भोजन पर और खाई जा रही तथा चबाई जा रही वस्तु पर ही केन्द्रित रहे। इस विधि से भोजन करने से पाचन ठीक होता है, अपच और कब्ज नहीं होती और गैसेज की शिकायत भी उत्पन्न नहीं होती। खाय-पिया अंग लगता है, जिससे शरीर पुष्ट, सुडौल और बलवान होता है।

प्रात: काल सूर्योदय से एक घंटा पहले उठकर नित्य कर्मों से निवृत्त होकर 15-20 मिनट व्यायाम या योगासनों का अभ्यास करने से सुस्ती व शिथिलता मिट जाती है और शरीर में चुस्ती.फ़ुर्ती तथा तबीयत में ताजगी आ जाती हैए जिससे पढ़ाई में मन लगता है और पाठ अच्छी तरह याद होता है।

ओलंपिक में भाग लेंगे 117 खिलाड़ी, 140 स्टाफ करेंगे सहयोग, आभा बाहर

पेरिस ओलंपिक में भारत के 117 खिलाड़ी भाग लेंगे। खेल मंत्रालय ने इसके अलावा सहयोगी स्टाफ के 140 सदस्यों को भी मंजूरी दी है जिसमें खेल अधिकारी भी शामिल हैं। सहयोगी स्टाफ के 72 सदस्यों को सरकार के खर्चे पर मंजूरी मिली है। ओलंपिक के लिए जिन खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया था उनमें से केवल गोला फेंक की एथलीट आभा खटुआ का नाम सूची में नहीं है। विश्व रैंकिंग के जरिए कोटा हासिल करने वाली आभा खटुआ का नाम हटाने को लेकर कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है। कुछ दिन पहले विश्व एथलेटिक्स की ओलंपिक में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की सूची से उनका नाम हटा दिया गया था। लंदन ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पूर्व निशानेबाज गगन नारंग को दल प्रमुख बनाया गया है। नारंग भारतीय ओलंपिक संघ में उपाध्यक्ष भी हैं।

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

खेल मंत्रालय की ओर से आईओए की अध्यक्ष पीटी उषा को लिए गए पत्र में कहा गया है, 'ओलंपिक खेल 2024 की आयोजन समिति के मानदंडों के अनुसार सहयोगी स्टाफ के 67 सदस्य ही खेल गांव में रुक सकते हैं जिनमें आईओए के 11 अधिकारी भी शामिल हैं।

अधिकारियों में पांच सदस्य चिकित्सा दल के हैं। खिलाड़ियों की जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की लागत पर 72 अतिरिक्त कोच और अन्य सहायक कर्मचारियों को मंजूरी दी गई है और उनके ठहरने की व्यवस्था होटल-खेल गांव के बाहर के स्थानों में की गई है।'

एथलेटिक्स के सर्वाधिक 29 खिलाड़ी देंगे चुनौती

आभा खटुआ का नाम शामिल नहीं होने के बावजूद खिलाड़ियों की सूची में सर्वाधिक 29 (11 महिला और 18 पुरुष) खिलाड़ी एथलेटिक्स के हैं। उनके बाद निशानेबाजी (21) और हॉकी (19) का नंबर आता है। टेबल टेनिस में भारत के आठ जबकि बैडमिंटन में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू सहित सात खिलाड़ी भाग लेंगे। कुश्ती (6), तीरंदाजी (6) और मुक्केबाजी (6) में छह-छह खिलाड़ी ओलंपिक में अपनी चुनौती पेश करेंगे। इसके बाद गोल्फ (4), टेनिस (3), तैराकी (2), सेलिंग (2) का नंबर आता है। घुड़सवारी, जूडो, रोइंग और भारोत्तोलन में एक-एक खिलाड़ी भाग लेंगे। निशानेबाजी दल में 11 महिला और 10 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। टेबल टेनिस में पुरुष और महिला दोनों वर्ग में चार-चार खिलाड़ी शामिल हैं। तोक्यो ओलंपिक की रजत पदक विजेता मीराबाई चानू दल में शामिल एकमात्र भारोत्तोलक हैं।

निशानेबाजी में सर्वाधिक 18 सहयोगी स्टाफ

दल में शामिल में 21 अधिकारियों में 11 खेल गांव में रुकेंगे जबकि बाकी अधिकारी खेल गांव के बाहर होटल में ठहरेंगे। इनका खर्च सरकार वहन करेगी। निशानेबाजी में सहयोगी स्टाफ के सर्वाधिक 18 सदस्य शामिल हैं जिनमें से एक हाई परफॉर्मेंस निदेशक और छह कोच खेल गांव में ठहरेंगे। बाकी 11 सदस्य होटल में रुकेंगे जिनमें चार कोच, चार फिजियो, दो मनोवैज्ञानिक और एक अनुकूलन विशेषज्ञ शामिल हैं। एथलेटिक्स में सहयोगी स्टाफ के 17 सदस्य शामिल हैं। उसके बाद कुश्ती (12), मुक्केबाजी (11), हॉकी (10), टेबल टेनिस (9), बैडमिंटन (9), गोल्फ (7), घुड़सवारी (5), तीरंदाजी (4), नौकायन (4), भारोत्तोलन (4) टेनिस (3), तैराकी (2) और जूडो (1) का नंबर आता है।

प्रशांत होंगे ओलंपिक अताशे

मंत्रालय के पत्र में कहा गया है कि पेरिस में भारतीय दूतावास में एयर अताशे पद पर कार्यरत एयर कमोडोर प्रशांत आर्य ओलंपिक अताशे होंगे, जिनके पास मान्यता पत्र होगा तथा वह दूतावास की सहायता और हस्तक्षेप की आवश्यकता वाले किसी भी मुद्दे का समाधान करने के लिए खेल गांव और प्रतियोगिता स्थलों का दौरा करेंगे।

टोक्यों में 119 ने थी चुनौती

टोक्यो ओलंपिक में भारत के 119 खिलाड़ियों ने भाग लिया था जिन्होंने सात पदक जीते थे। इनमें नीरज चोपड़ा का भाला फेंक में जीता गया ऐतिहासिक स्वर्ण पदक भी शामिल है। चोपड़ा पेरिस में अपने खिताब का बचाव करने के लिए उतरेंगे।

खबर संक्षेप

नागल-करोल की जोड़ी नॉर्डिया ओपन से बाहर

बस्ताड। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल और पोलैंड के उनके जोड़ीदार करोल ड्रेजेविक को यहां नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल में सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा। नागल और ड्रेजेविक की जोड़ी मंगलवार को 59 मिनट तक चले मुकाबले में एलेक्जेंडर मुलर और लुका वान असचे की फ्रांसीसी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हार गई। भारत के 26 वर्षीय खिलाड़ी ने हालांकि एकल वर्ग में अपनी चुनौती बरकरार रखी है।

बावा को विश्व जूनियर स्क्वाश में कांस्य पदक

नई दिल्ली। भारत के शौर्य बावा ने ह्यूस्टन में चल रही विश्व जूनियर स्क्वाश चैंपियनशिप के लड़कों के एकल सेमीफाइनल में मिस्र के

शीर्ष वरीयता प्राप्त मोहम्मद ज़कारिया से 0-3 से हारने के बाद कांस्य पदक हासिल किया। बावा पिछले साल के उपविजेता ज़कारिया से 41 मिनट तक चले रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में 5-11 5-11 9-11 से हार गए। कुश कुमार (2014 में) के बाद बावा विश्व जूनियर सेमीफाइनल में पहुंचने वाले केवल दूसरे भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

मार्क वुड इंग्लैंड टीम में शामिल

नॉटिंघम। इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के लिए एक बदलाव करते हुए संन्यास ले चुके जेम्स एंडरसन की जगह तेज

गेंदबाज मार्क वुड को टीम में शामिल किया है। तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला का दूसरा मैच गुरुवार को ट्रेंटब्रिज में शुरू होगा। इंग्लैंड ने पहला मैच पारी और 114 रन से जीता था। एंडरसन ने पहला मैच खेलने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था लेकिन वह तेज गेंदबाजों के मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में टीम से जुड़े रहेंगे।

स्वच्छंद होकर खेलें ओलंपिक खिलाड़ी

नई दिल्ली। भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के कप्तान और भारतीय पेशेवर गोल्फ टूर के अध्यक्ष कपिल देव ने बुधवार को ओलंपिक जाने वाले भारतीय

खिलाड़ियों को 26 जुलाई से शुरू हो रहे खेलों के महाकुंभ में स्वच्छंद होकर खेलने की सलाह दी और उम्मीद जताई कि देश पेरिस में दोहरे अंक में पदक जीतेगा। ट्रिनिटी गोल्फ चैंपियन्स लीग के दूसरे सत्र की घोषणा के मौके पर कपिल ने कहा, 'मैं किसी खिलाड़ी के लिए कुछ नहीं कह सकता, लेकिन मैं उन्हें शुभकामनाएं दे सकता हूं और उम्मीद करता हूं कि हम इस साल और अधिक पदक जीतेंगे और यह महत्वपूर्ण है।

ओलंपिक : भारत ने पहली बार साल 1900 में लिया था हिस्सा

एथलेटिक्स में पहला पदक, हॉकी में स्वर्ण की बारिश, भारत ने अब तक जीते 35 मेडल

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

26 जुलाई से पेरिस ओलंपिक की शुरुआत होने वाली है। 206 देशों के एथलीट्स खेलों के सबसे बड़े मंच पर मेडल्स के लिए दावेदारी पेश करेंगे। भारत का भी 117 एथलीट्स का दल पेरिस जाएगा।

ओलंपिक खेलों में भारत का इतिहास 124 साल पुराना है। उन्होंने 27 बार इन खेलों में हिस्सा लिया। भारत ने पहली बार साल 1900 में इन खेलों में हिस्सा लिया था। उस साल भी ओलंपिक खेलों का आयोजन पेरिस में ही हुआ था। 124 सालों में भारत ने इन खेलों में बहुत कुछ हासिल किया।

प्रिटकार्ड ने जीते दो रजत

ओलंपिक खेलों की शुरुआत 1896 में हुई थी लेकिन भारत ने सबसे पहले 1900 में ओलंपिक खेलों में हिस्सा लिया। 1900 में केवल एक ही खिलाड़ी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया था जिनका नाम नॉर्मन प्रिटकार्ड था। उन्होंने देश के लिए दो पदक जीते हैं। प्रिटकार्ड ने 200 मीटर और 200 मीटर हर्डल्स में रजत पदक जीता था। इन पदक को ओलंपिक एसोसिएशन के मुताबिक भारत के खाते में गिना जाता है जबकि वर्ल्ड एथलेटिक्स के मुताबिक यह पदक ब्रिटेन के खाते में हैं।

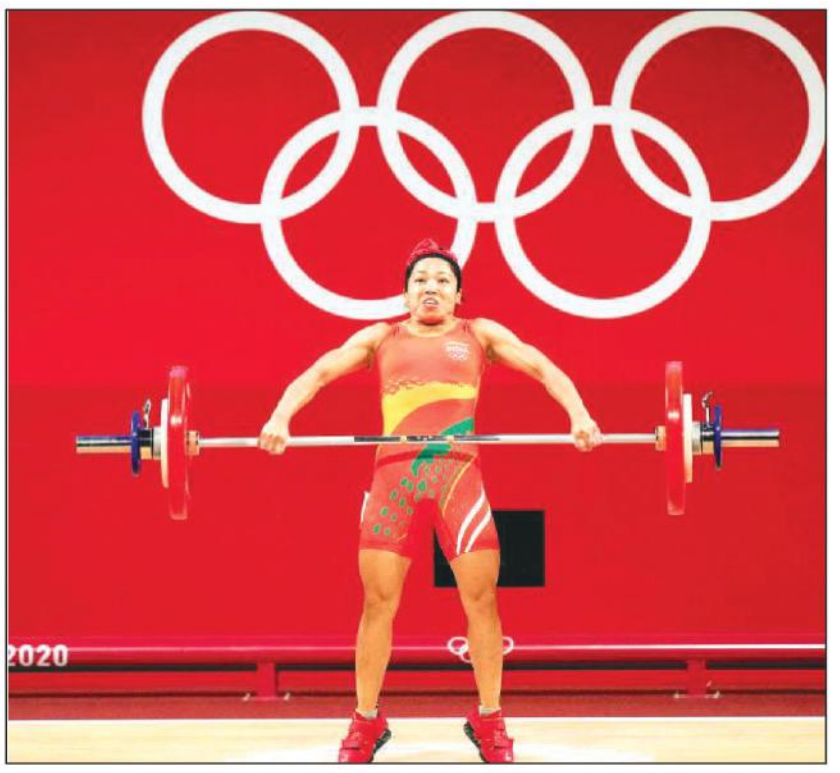

टोक्यो में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भारत ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2020 टोक्यो ओलंपिक में किया। टोक्यो में भारत ने सात पदक जीते। भारत को एथलेटिक्स में एक, वेटलिफ्टिंग में एक, हॉकी में एक, बॉक्सिंग में एक, बैडमिंटन में एक और रेसलिंग में दो पदक जीते।

खेल	नाम	पदक
एथलेटिक्स	नीरज चोपड़ा	स्वर्ण
रेसलिंग	रवि दहिया	रजत
	बजरंग पूनिया	कांस्य
बॉक्सिंग	लवलिना बोरगोहेन	कांस्य
वेटलिफ्टिंग	मीराबाई चानू	रजत
बैडमिंटन	पीवी सिंधू	कांस्य
हॉकी	पुरुष टीम	कांस्य

हॉकी में भारत ने जीते 12 पदक

भारत को सबसे ज्यादा पदक हॉकी में मिले हैं। भारत ने इस खेल में 12 पदक जीते हैं। इन 12 पदक में भारत ने 8 स्वर्ण, एक रजत और तीन कांस्य पदक जीते हैं। भारत को पहला पदक 1928 के ओलंपिक में मिला था जब उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। वहीं उन्होंने 41 साल के सूखे के बाद टोक्यो ओलंपिक खेलों में भी कांसय पदक जीता था।

10 स्वर्ण, 9 रजत, 16 कांस्य

भारत ने अब तक ओलंपिक में 10 स्वर्ण, 9 रजत और 16 कांस्य समेत कुल 35 पदक जीते हैं। यह 35 पदक उन्होंने 8 अलग-अलग खेलों में जीते। भारत ने हॉकी में 12, शूटिंग में चार, एथलेटिक्स में तीन, रेसलिंग में सात, बैडमिंटन में तीन, वेटलिफ्टिंग में दो, बॉक्सिंग में तीन और टेनिस में एक पदक जीता है।

भारत के ओलंपिक पदक

खेल	स्वर्ण	रजत	कांस्य	कुल
हॉकी	8	1	3	12
रेसलिंग	–	2	5	7
शूटिंग	1	2	1	4
एथलेटिक्स	1	2	–	3
बॉक्सिंग	–	–	3	3
वेटलिफ्टिंग	–	1	1	2
टेनिस	–	–	1	1

'असंभव' बना 'संभव'

11 गेंदों में ठोके 61 रन, 8 छक्के, 2 चौके से जीता मैच

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

क्रिकेट में कब क्या हो जाए किसी को नहीं पता. वक़्त के साथ क्रिकेट तेज़ होता जा रहा है। अब तो टेस्ट क्रिकेट में भी बल्लेबाज़ ताबड़तोड़ बल्लेबाज़ी करना पसंद करने लगे हैं। क्रिकेट के विस्तार के साथ फॉर्मेट भी बदलते जा रहे हैं। पहले सिर्फ टेस्ट और वनडे क्रिकेट खेला जाता था। फिर टी20 क्रिकेट की शुरुआत हुई। अब कई जगहों पर टी10 क्रिकेट भी खेला जाने लगा है। इसी टी10 क्रिकेट में 2 ओवर में 61 रनों का रन चेज़ एक गेंद पहले ही हो गया।

यह कारनामा यूरोपियन क्रिकेट के टी10 टूर्नामेंट हुआ, जहां ऑस्ट्रिया ने रोमानिया के खिलाफ 11 गेंदों में 61 रन बनाकर जीत हासिल कर ली। लगभग मुकाबला हार चुकी ऑस्ट्रेलिया ने वह कर दिखाया जो शायद असंभव था। हालांकि क्रिकेट में कहा जाता कि असंभव कुछ नहीं होता है, लेकिन 11 गेंदों में 61 रन बनाना संभव भी नहीं लगता।

168 रनों का था टारगेट

मैच में पहले बैटिंग करते हुए रोमानिया ने 10 ओवर में 167 रनों का टोटल बोर्ड पर लगाया, जिसमें विकेटकीपर बल्लेबाज़ अरियान मोहम्मद ने 104* रनों की शानदार पारी खेली। लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रिया की टीम लड़खड़ाती हुई दिखाई दी। टीम ने 8 ओवर में 3 विकेट पर सिर्फ 107 रन बोर्ड पर लगाए थे। अब यहां से टीम को जीत के लिए आखिरी 2 ओवर में 30.5 के रनरेट से 61 रनों की दरकार थी। यहां से ऑस्ट्रिया की जीत असंभव लगने लगी थी।

2 ओवर में चाहिए थे 61 रन

टीम के लिए आकिब इकबाल 8 ओवर तक 9 गेंदों में 22 रन बनाकर खेल रहे थे। फिर आखिरी 2 ओवर में आकिब ने ऐसा कमाल किया कि उनका स्कोर 19 गेंदों में 72* रन हो गया और ऑस्ट्रिया को 7 विकेट से जीत मिल गई। आकिब के बल्ले से 2 चौके और 10 छक्के निकले थे। 8 ओवर तक ऑस्ट्रिया के जीतने की संभावना सिर्फ 1 प्रतिशत ही थी। यहां से रोमानिया के लिए पारी का 9वां ओवर लेकर आए मनमीत कोली ने 41 रन खर्च कर दिए, जिसमें 9 एक्स्ट्रा रन थे। अब ऑस्ट्रेलिया को आखिरी ओवर में जीत के लिए 20 रन चाहिए थे, जिसे टीम ने 5 गेंदों में बनाकर जीत दर्ज कर ली।

नॉर्डिया ओपन

ओलंपिक की तैयारी में लगे नडाल की आसान जीत

एजेंसी ▶▶| बस्ताड

ओलंपिक की तैयारी में लगे राफेल नडाल ने क्ले कोर्ट पर खेले जा रहे नॉर्डिया ओपन टेनिस टूर्नामेंट के एकल के पहले दौर में स्वीडन के दिग्गज खिलाड़ी ब्योर्न बोर्ग के 21 वर्षीय बेटे लियो बोर्ग को सीधे सेटों में 6-3, 6-4 से हराया।

नडाल ने मैच के बाद अपने 21 वर्षीय प्रतिद्वंद्वी के बारे में कहा, 'हमारे खेल के इतिहास के सबसे दिग्गज खिलाड़ी में से एक के बेटे के खिलाफ खेलना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। मुझे लगता है कि उसने अच्छा प्रदर्शन किया। उसके सामने अभी लंबा करियर है और मैं उसे शुभकामनाएं देता हूं।' नडाल ने यहां 2005 में 19 वर्ष की उम्र में खिताब जीता था। उसके बाद वह इस टूर्नामेंट में पहली बार भाग ले रहे हैं। ओलंपिक के दौरान टेनिस के मैच रोला गैरां में क्ले कोर्ट पर खेले जाएंगे और उसकी तैयारी के सिलसिले में ही नडाल इस टूर्नामेंट में खेल रहे हैं। फ्रेंच ओपन के पहले दौर में बाहर होने के बाद नडाल ने पहली बार एकल मैच खेला। उनका अगला मुकाबला ब्रिटेन के कैमरन नोरी से होगा।

कम से कम दो मैच नहीं खेल पाएंगे मेस्सी

फोर्ट लॉडरडेल। कोपा अमेरिका फाइनल के दौरान चोटिल होने वाले लियोनेल मेस्सी अपनी मेजर लीग सॉकर टीम इंटर मियामी की तरफ से कम से कम दो मैच में नहीं खेल पाएंगे। इंटर मियामी के कोच गेरार्डो मार्टिनो ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेस्सी के दाहिने टखने में चोट लगी है और उनकी फिटनेस का निरंतर आकलन किया जाएगा। इंटर मियामी बुधवार रात टोरंटो एफसी और शनिवार रात शिकागो की मेजबानी करेगा। मेस्सी अर्जेंटीना और कोलंबिया के बीच रविवार को खेले गए मैच के दौरान चोटिल हो गए थे।

ओलंपिक में पदार्पण के लिए तैयार हैं सूरज

नई दिल्ली। बचपन से ही विपरीत परिस्थितियों का सामना करने वाले पैदल चाल के एथलीट सूरज पंवार मिश्रित स्पर्धा के लिए जोड़ीदार नहीं होने के भी बावजूद अपने पहले ओलंपिक खेलों में भाग लेने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। पंवार को बचपन से ही उतार चढ़ाव वाली जिंदगी जीने का अनुभव है। यह 23 वर्षीय एथलीट जब शिशु था तब उनके फॉरेस्ट गार्ड पिता उदय सिंह पंवार पेड़ों की अवैध कटाई को रोकने की कोशिश करते हुए ड्यूटी के दौरान मारे गए थे। उनकी मां पूनम ने उन्हें अकेले ही पाला, जो देहरादून के पास एक गांव में वन विभाग की नर्सरी में काम करती थीं।

भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता हैं दीपा मलिक

दीपा मलिक एपीसी में बनीं दक्षिण एशिया की प्रतिनिधि

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारत की पहली महिला पैरालंपिक पदक विजेता दीपा मलिक को एशियाई पैरालंपिक समिति ने दक्षिण एशिया के लिए उप क्षेत्रीय प्रतिनिधि नियुक्त किया है। एपीसी की 34वीं कार्यकारी बोर्ड बैठक के दौरान इस नियुक्ति की पुष्टि की गई। यह नियुक्ति पैरा खेलों में लैंगिक विविधता और खिलाड़ियों के नेतृत्व के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

दीपा मलिक तुरंत पद की जिम्मेदारी संभालेंगी। मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार भारत की पूर्व पैरालंपिक समिति प्रमुख की नियुक्ति से कार्यकारी बोर्ड में महिला प्रतिनिधियों की संख्या पांच हो गई है जो एपीसी के इतिहास में बोर्ड में

महिलाओं का सबसे अधिक प्रतिनिधित्व है। दीपा की भूमिका में दक्षिण एशियाई देशों का प्रतिनिधित्व करना और इस क्षेत्र में पैरा खेलों के विकास और इन्हें प्रोमोट करने की वकालत करना होगा।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने 21 उभरते हुए देशों में से छह को चुना

मेक्सिको, ओमान सहित 6 देशों को डेवलपमेंट अवार्ड

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद ने बुधवार को आईसीसी डेवलपमेंट पुरस्कार 2023 के वैश्विक विजेताओं की घोषणा जिसमें छह उभरते हुए देश मेक्सिको, ओमान, नीदरलैंड, यूएई, नेपाल और स्कॉटलैंड शामिल हैं। पिछले कैलेंडर वर्ष के दौरान शानदार प्रदर्शन के अलावा महत्वपूर्ण पहल के लिए 21 उभरते हुए देशों में से छह को पुरस्कारों के लिए चुना गया और इनका चयन एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया गया।

इस साल विजेताओं का चयन अप्रैल में घोषित क्षेत्रीय पुरस्कार विजेताओं की सूची से किया गया जिसे आईसीसी के पूर्ण सदस्य अधिकारियों, पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों और आईसीसी वैश्विक भागीदारों के एक प्रतिष्ठित पैनल द्वारा चुना गया जिसमें एजेंसी की वरिष्ठ खेल पत्रकार मोना पार्थसारथी भी शामिल हैं।

मेक्सिको को इनिशिएटिव ऑफ द ईयर अवार्ड

मेक्सिको क्रिकेट संघ को अग्रणी परियोजानओं के लिए 'आईसीसी डेवलपमेंट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया जिसने भारत में 'स्ट्रीट चाइल्ड क्रिकेट विश्व कप' में हिस्सा लेने के लिए अपनी एक टीम भेजी थी। साथ ही उन्होंने मेक्सिको में कैदियों के पुनर्वास और उनके जीवन में बदलाव के लिए क्रिकेट सत्र आयोजित किए। ओमान क्रिकेट को 'क्रिकेट4हर कार्यक्रम' के लिए '100% क्रिकेट फीमेल क्रिकेट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया गया जो महिलाओं और लड़कियों को अवसर प्रदान करता है।

नीदरलैंड का शानदार प्रयास

नीदरलैंड को भारत में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने और प्रतिस्पर्धा करने के शानदार प्रयास के लिए 'आईसीसी एसोसिएट मेंबर पुरुष परफोरमेंस ऑफ द ईयर' का पुरस्कार दिया गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 'एसोसिएट मेंबर वुमैन्स परफोरमेंस ऑफ द ईयर' पुरस्कार जीता जिसने मलेशिया में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2024 एशिया क्वालीफायर में शानदार प्रदर्शन किया था। नेपाल क्रिकेट संघ ने अपने सोशल चैनल में विकास के लिए 'आईसीसी डिजिटल फैन एंगेजमेंट ऑफ द ईयर' पुरस्कार हासिल किया। क्रिकेट स्कॉटलैंड को 'क्रिकेट 4 गुड सोशल इम्पैक्ट इनिशिएटिव ऑफ द ईयर' वर्ग का विजेता चुना गया।

खबर संक्षेप

लोरियल ने बच्चों के लिए शुरू की परियोजना

चंडीगढ़। लोरियल इंडिया ने हिमाचल प्रदेश के बद्दी में अपने बद्दी संयंत्र के पास रहने वाले प्रवासी समुदायों के वंचित बच्चों की शिक्षा में सहयोग देने के लिए एक पहल शुरू की है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साथ साझेदारी में लोरियल इंडिया ने 'प्रोजेक्ट उड़ान' शुरू किया गया है।

प्रैट एंड व्हिटनी ने खोला नया ग्राहक सेवा केंद्र

मुंबई। अमेरिकी एयरोस्पेस प्रमुख प्रैट एंड व्हिटनी ने बेंगलुरु में एक नए ग्राहक सेवा केंद्र की स्थापना की बुधवार को घोषणा की। यह नई सुविधा प्रैट एंड व्हिटनी कनाडा के वैश्विक स्तर पर सेवारत 68,000 इंजनों के लिए ग्राहक सेवा और परिचालन सहायता को बढ़ावा देगी। इसमें कहा गया, इस सुविधा में 150 से अधिक एयरोस्पेस विशेषज्ञ तथा इंजीनियर कार्यरत होंगे।

ग्राम उन्नति, कोका-कोला इंडिया में साझेदारी

नई दिल्ली। कृषि क्षेत्र से जुड़ी मूल्य श्रृंखला सेवा कंपनी ग्राम उन्नति ने कर्नाटक में आम की पैदावार बढ़ाने और किसानों की आय में सुधार लाने के लिए एक परियोजना शुरू करने को कोका-कोला इंडिया से साझेदारी की है। कर्नाटक में अल्फांसो और तोतापुरी किस्म के आम पर ध्यान केंद्रित करते हुए पर्यावरण अनुकूल खेती की पहल में क्रांतिकारी बदलाव लाना है।

देश का तेल खली निर्यात जून में बढ़ा

नई दिल्ली। सोयाबीन डी-आयल्ड केक (डीओसी) के निर्यात में उछाल के कारण जून में भारत का डीओसी निर्यात 20 प्रतिशत बढ़कर 3,35,196 टन हो गया। पिछले साल इसी महीने में निर्यात 2,80,001 टन का हुआ था। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए) ने बुधवार को डीओसी के निर्यात आंकड़े जारी किए।

एशियन पेंट्स का लाभ 24.64 प्रतिशत घटा

नई दिल्ली। एशियन पेंट्स लिमिटेड का जून में समाप्त पहली तिमाही का एकीकृत शुद्ध लाभ 24.64 प्रतिशत घटकर 1,186.79 करोड़ रुपए रह गया है। भीषण गर्मी और आम चुनाव के कारण मांग में कमी से कंपनी के मुनाफे में गिरावट आई है। कंपनी का पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की समान अवधि में एकीकृत शुद्ध लाभ 1,574.84 करोड़ रुपये रहा था।

सनोफी हैदराबाद जीसीसी में करेगी 3,600 करोड़ का निवेश

हैदराबाद। सनोफी हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने बुधवार को यहां अपने वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) के विस्तार की घोषणा की। कंपनी की इसमें अगले छह साल में 40 करोड़ यूरो यानी करीब 3,600 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना है। इसमें से 10 करोड़ यूरो अगले साल तक डाले जाएंगे। परिचालन मैडेलीन रोच ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अगले दो वर्षों में इस जीसीसी का विस्तार लगभग 2,600 कर्मचारियों तक हो जाएगा, जिससे यह सनोफी के चार वैश्विक केंद्रों में सबसे बड़ा हो जाएगा।

एलआईसी का शेयर एक साल में 79 प्रतिशत तक उछला, एसबीआई को भी फायदा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी एलआईसी ने एचडीएफसी लाइफ और आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस जैसी निजी बीमा कंपनियों को शेयर बाजार में प्रदर्शन के मामले में पीछे छोड़ दिया है। इसके पीछे ढांचागत क्षेत्र जैसे बढ़ते क्षेत्रों पर लगाए गए दांव की अहम भूमिका रही है।

भारतीय जीवन बीमा निगम का शेयर बीते एक साल में करीब 79 प्रतिशत तक उछल चुका है। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल 18 जुलाई को एलआईसी का शेयर 620 रुपए पर था लेकिन इस साल 16 जुलाई को यह 1,109.15 रुपए के भाव पर बंद हुआ।

ढांचागत क्षेत्र जैसे बढ़ते क्षेत्रों पर लगाए गए दांव की अहम भूमिका

बीमा कंपनियों की कमाई का तरीका

बीमा कंपनियां दो तरीकों से पैसा कमाती हैं। पॉलिसियों के लिए प्रीमियम और फिर उस प्रीमियम को परिसंपत्तियों में निवेश कर वे कमाई करती हैं। यह दूसरा तरीका ही उनके मुनाफे में बड़ा अंतर पैदा करता है, जिससे मूल्य सृजन और जोखिम प्रबंधन पर असर पड़ता है। हालांकि, पूंजी बाजार विश्लेषकों का कहना है कि अधिकांश भारतीय बीमा कंपनियों ने अभी तक देश के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में उभार का उतना लाभ नहीं उठाया है।

एसबीआई में 48 प्रतिशत की तेजी

ढांचागत क्षेत्र में ज्यादा निवेश करने वाले भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों में भी बीते एक साल में 48 प्रतिशत की तेजी आई है। हालांकि निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक के शेयरों में इस दौरान नकारात्मक तीन प्रतिशत से लेकर 24 प्रतिशत तक की ही तेजी आई है। ढांचागत क्षेत्र में नगण्य निवेश करने वाले कोटक और एचडीएफसी बैंक सबसे खराब प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके शेयरों ने नकारात्मक रिटर्न दिया है। कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 18 जून, 2023 को 1,895 रुपये पर था और मंगलवार को यह 1,805.20 रुपये पर बंद हुआ। वहीं एचडीएफसी बैंक मंगलवार को बीएसई पर 1,619.20 रुपये पर बंद हुआ, जो एक साल पहले 1,679 रुपये पर था।

12 प्रतिशत दिया रिटर्न

एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई है। एक साल पहले एचडीएफसी लाइफ का शेयर बीएसई पर 666.55 रुपए पर था लेकिन मंगलवार को यह 646.55 रुपए प्रति शेयर के भाव पर बंद हुआ। हालांकि, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस का शेयर इस दौरान 12 प्रतिशत का रिटर्न देने में सफल रहा है। इसका शेयर 16 जुलाई को 654.10 पर था जबकि 18 जुलाई, 2023 को इसका भाव 582 रुपये था।

निवेश के क्षेत्र

घरेलू बीमा कंपनियों ने बैंकिंग, वित्तीय सेवा एवं बीमा, सूचना प्रौद्योगिकी और उपभोक्ता क्षेत्रों में निवेश पर अधिक ध्यान दिया है। लेकिन हाल के दिनों में इन सभी क्षेत्रों का प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा है। उनके निवेश का सिर्फ आठ से 10 प्रतिशत ही बुनियादी ढांचा क्षेत्र में है जो वैश्विक मानकों की तुलना में बहुत कम है।

फाइनेंशियल प्लानिंग स्टैन्डर्ड बोर्ड ने दी जानकारी

वित्तीय सेवा क्षेत्र में 18 लाख नौकरियां लेने वाला कोई नहीं

40 गुना अधिक नौकरियां

मिश्रा ने कहा, 'बैंकों, बीमा कंपनियों, ब्रोकरेज हाउस और म्यूचुअल फंड कंपनियों को हमेशा प्रशिक्षित लोगों की आवश्यकता होती है। यदि आप ऑनलाइन नौकरी खोजते हैं, तो आप पाएंगे कि उपलब्ध प्रमाणित वित्तीय नियोजकों की संख्या की तुलना में लगभग 40 गुना अधिक नौकरियां हैं।'

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

फाइनेंशियल प्लानिंग स्टैन्डर्ड बोर्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी कृष्ण मिश्रा ने बुधवार को कहा कि देश में रोजगार पाने की काबिलियत की समस्या है क्योंकि लगभग 18 लाख नौकरियों को लेने वाला कोई नहीं है। उन्होंने यहां कहा कि गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी अगले पांच साल में 1.5 लाख नौकरियां सृजित करेगा। अभी यहां करीब 6,000 कर्मचारी वित्तीय सेवा क्षेत्र में हैं।

मिश्रा ने कहा, 'केंद्र सरकार के नेशनल करियर सर्विसेज पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार पिछले साल देश में वित्तीय सेवाओं में 46.86 लाख नौकरियां सृजित हुईं। इनमें से केवल 27.5 लाख नौकरियां ही भरी गईं। इससे पता चलता है कि 18 लाख नौकरियों को लेने वाला कोई नहीं था। इसका कारण रोजगार हासिल करने की काबिलियत है। नौकरियां तो हैं, लेकिन लोग उतने काबिल नहीं हैं कि उसे ले सकें।'

गिफ्ट सिटी में वृद्धि की उम्मीद

मिश्रा ने कहा, 'हम गिफ्ट सिटी में काफी वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। दूसरी तरफ प्रतिभा की कमी है। आज बैंक और वित्तीय सेवा क्षेत्र की लगभग 628 कंपनियों के कार्यालय गिफ्ट सिटी में हैं। उन्होंने कहा, "अगले पांच साल में वहां लगभग 1.5 लाख लोगों की जरूरत होगी। ये नौकरियां ज्यादातर वितरण और प्रबंधन के क्षेत्र में होंगी। इससे प्रमाणित वित्तीय नियोजकों की काफी मांग होगी।'

2,731 प्रमाणित सीएफपी पेशेवर

एफपीएसबी इंडिया, फाइनेंशियल प्लानिंग स्टैंडर्ड्स बोर्ड लि. की भारतीय अनुषंगी कंपनी है। यह वित्तीय नियोजन पेशे के लिए वैश्विक मानक-निर्धारण से जुड़ा निकाय है। मिश्रा ने कहा कि वर्तमान में, भारत में 2,731 प्रमाणित सीएफपी पेशेवर हैं जबकि पूरी दुनिया भर में इनकी संख्या 2.23 लाख है। भारत में 2030 तक लगभग 10,000 सीएफपी होंगे जबकि मांग के कारण जरूरत 1,00,000 की होगी। भारत में व्यक्तिगत वित्त को नजरअंदाज किया गया। लोगों ने सोचा कि वित्तीय नियोजन बड़े लोगों के लिए है। लेकिन, वास्तव में, धन प्रबंधन बड़े लोगों के लिए है जबकि वित्तीय योजना सभी के लिए है। हमें वित्तीय रूप से शिक्षित होने की जरूरत है।'

- 46.86 लाख नौकरियां सृजित, 27.5 लाख नौकरियां ही भरी गईं
- नौकरियां तो हैं, लेकिन लोग उतने काबिल नहीं हैं कि उसे ले सकें

क्षमता निर्माण की पहल

मिश्रा ने घोषणा की कि एफपीएसबी इंडिया और भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद ने मंगलवार को वित्तीय नियोजन और निवेश सलाहकार सेवाओं में पेशेवरों के लिए लक्षित क्षमता निर्माण पहल की एक श्रृंखला शुरू करने के लिए रणनीतिक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। उन्होंने कहा कि इसके तहत आईआईएमए और एफपीएसबी इंडिया प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेंगे, व्यावहारिक अनुसंधान करेंगे और समसामयिक विषयों पर पेशेवरों के लिए कार्यशालाएं आयोजित करेंगे।

टाटा पावर 2025 में 20 हजार करोड़ रुपए का करेगी निवेश

एजेंसी ▶▶| मुंबई

टाटा पावर ने वित्त वर्ष 2025 में पूंजीगत व्यय के लिए 20,000 करोड़ रुपए खर्च करने की योजना बनाई है। कंपनी के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कंपनी की 105वीं वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों को बताया कि पूंजीगत व्यय का एक बड़ा हिस्सा कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो को गति देने के लिए होगा। यह वित्त वर्ष 2024 में निवेश किए गए 12,000 करोड़ रुपये की राशि से काफी अधिक है।

कंपनी इसका उपयोग अपनी अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं को गति देने और ट्रांसतिशन सहित डिस्ट्रब्यूशन कारोबार पर खर्च करेगी। टाटा समूह के मुखिया एन चंद्रशेखरन ने बताया कि टाटा पावर अन्य राज्यों में नए वितरण विस्तार के अवसरों का लाभ उठाने के लिए भी निवेश करेगी। इसके अलावा कंपनी सरकार से जरूरी मंजूरी मिलने के बाद छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर में भागीदारी की संभावना भी तलाशेगी।

- छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर में भागीदारी की संभावना भी तलाशेगी

पांच करोड़ उपभोक्ताओं को जोड़ने का लक्ष्य

चंद्रशेखरन ने कहा कि टाटा पावर मौजूदा और निर्माणाधीन परियोजनाओं के जरिए दो से पांच साल में 15 गीगावाट स्वच्छ ऊर्जा क्षमता का लक्ष्य लेकर चल रही है। यह क्षमता इस समय नौ गीगावाट की है। उन्होंने कहा कि कंपनी का लक्ष्य वितरण कारोबार के विस्तार के जरिये पांच करोड़ उपभोक्ताओं को जोड़ने का है, कंपनी के उपभोक्ताओं की मौजूदा संख्या 1.25 करोड़ से अधिक है।

औद्योगिक क्षेत्र में स्वच्छ ऊर्जा देने पर जोर

चंद्रशेखरन के अनुसार कंपनी विशेष रूप से औद्योगिक क्षेत्रों पर फोकस कर रही है। जिसमें 24 घंटे स्वच्छ ऊर्जा दी जा सके। उन्होंने कहा कि भारत की हरित ऊर्जा के क्षेत्र बदलाव का नेतृत्व करने के लिए कंपनी अच्छी स्थिति में है। चंद्रशेखरन ने बताया कि कंपनी रूफटॉप सोलर मे तेजी विस्तार कर रही है। पीएम सूर्य घर योजना के साथ हम बाजार में अपनी हिस्सेदारी भी बढ़ा रहे हैं।

आवास, वाणिज्यिक संपत्ति कारोबार का विस्तार करेगी डीएलएफ : सिंह

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी डीएलएफ आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के विकास के लिए अपने कारोबार का विस्तार करने पर ध्यान केंद्रित करेगी।

डीएलएफ के चेयरमैन राजीव सिंह ने बुधवार को कहा कि कंपनी वृद्धि के अवसरों का लाभ उठाने के लिए मुंबई और गोवा जैसे नए बाजारों में उतरने जा रही है। सिंह ने वार्षिक रिपोर्ट में शेयरधारकों को दिए संदेश में कहा कि कंपनी आगे भी कॉरपोरेट प्रशासन, परिचालन उत्कृष्टता और कंपनी के संस्थापकों के मूल्य को बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करेगी। उन्होंने कहा, हमारे उत्पादों के प्रति बाजार की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही है। इसी विश्वास के साथ हम मुंबई और गोवा जैसे नए क्षेत्रों में प्रवेश कर रहे हैं। सिंह ने कहा कि कंपनी दिल्ली-एनसीआर में नई परियोजनाएं शुरू करना जारी रखे हुए है।

- हमारे उत्पादों के प्रति बाजार की प्रतिक्रिया बहुत उत्साहजनक रही

बीते साल स्थिर रहा देश का चाय निर्यात

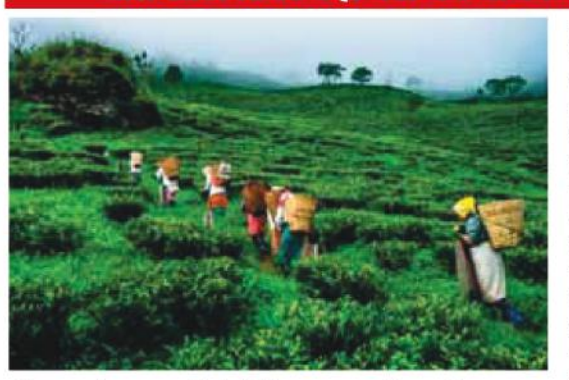

कोलकाता। देश का चाय निर्यात कैलेंडर साल 2023 में 23 करोड़ 16.91 लाख किलोग्राम पर लगभग स्थिर रहा है। चाय बोर्ड के ताजा आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इससे पिछले कैलेंडर वर्ष 2022 के दौरान चाय का निर्यात 23 करोड़ 10.8 लाख किलोग्राम का हुआ था। प्रमुख बागान मालिक संगठन भारतीय चाय संघ के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भुगतान समस्याओं के कारण ईरान के बाजार में नुकसान ने चाय के समग्र उठाव को प्रभावित किया है। ईरान द्वारा भारतीय चाय का आयात वर्ष 2019 के 5.4 करोड़ किलोग्राम की तुलना में 2023 में लगभग 51.6 लाख किलोग्राम तक गिर गया था।

एडीबी ने भारत का वृद्धि अनुमान सात प्रतिशत पर रखा बरकरार

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशियाई विकास बैंक ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर का अनुमान सात प्रतिशत पर बरकरार रखा है। साथ ही कहा कि सामान्य से बेहतर मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। एडीबी का यह पूर्वानुमान ऐसे समय में आया है जब अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत के लिए अपने सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के अनुमान को संशोधित कर सात प्रतिशत कर दिया है।

आईएमएफ ने अप्रैल में इसके अप्रैल 6.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पिछले महीने अपने वृद्धि अनुमान को सात प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया था। एशियाई विकास परिदृश्य (एडीओ) के जुलाई संस्करण में कहा गया कि भारतीय अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष 2024-25 (31 मार्च 2025 को समाप्त) में सात प्रतिशत की दर से बढ़ी। वित्त वर्ष 2025-26 में 7.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने की राह पर है, जैसा कि एडीओ अप्रैल 2024 में अनुमान लगाया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था ने मार्च 2024 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की, जबकि उससे पिछले वित्त वर्ष में यह सात प्रतिशत थी।

कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद

रिपोर्ट में कहा गया, 'वित्त वर्ष 2022-23 में धीमी वृद्धि के बाद सामान्य से अधिक मानसून अनुमानों को देखते हुए कृषि क्षेत्र में सुधार की उम्मीद है। ऐसा जून में मानसून की धीमी प्रगति के बावजूद है। ग्रामीण क्षेत्रों में वृद्धि की गति को बनाए रखने के लिए कृषि में सुधार महत्वपूर्ण होगा।' विकासशील एशिया के विकास पूर्वानुमान के संबंध में एडीओ ने कहा कि इसे 2024 के लिए पांच प्रतिशत तक संशोधित किया गया है और 2025 में 4.9 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है।

आयकर में बदलाव की उम्मीद, विनिर्माण को मिलेगा बढ़ावा!

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

23 जुलाई को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार का तीसरा बजट होगा। इसी के साथ निर्मला सीतारमण के लिए यह लगातार पेश किए जाने के क्रम में उनका 7वीं बार का बजट होगा। अपकमिंग बजट सरकार के विजन और सुधार एजेंडे को लेकर खास होगा। ब्रोकरेज नोमुरा ने इस बजट को आकार देने के लिए पांच थीम को हाइलाइट किया है। नोमुरा के विश्लेषक सोनल वर्मा और ऑरोदीप नंदी का अनुमान है कि सरकार वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने राजकोषीय घाटे के लक्ष्य को जीडीपी के 5.1% से घटाकर 5% कर देगी। यह एडजस्टमेंट कमजोर राजनीतिक जनादेश के बावजूद राजकोषीय स्थिरता बनाए रखने के लिए सरकार के दृढ़ संकल्प का संकेत देगा।

- बजट 2024

आयकर में कमी की संभावना

उपभोक्ता मांग को बढ़ावा देने के लिए, सरकार नई कर व्यवस्था के तहत करदाताओं के लिए स्टैंडर्ड डिडक्शन लिमिट को बढ़ाने पर विचार कर सकती है। जो बिना छूट के कम दरें प्रदान करती है। बैंक ब्याज से प्राप्त आय के लिए छूट सीमा में भी वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा, 5 लाख रुपये से 15 लाख रुपये के बीच की आय वाले व्यक्तियों के लिए व्यक्तिगत आयकर दरों में कमी की संभावना है।

विनिर्माण को बढ़ावा देना

नोमुरा का अनुमान है कि सरकार घरेलू विनिर्माण को लेकर इस बजट में कुछ नए बदलाव पेश कर सकती है। इसमें सार्वजनिक खरीद के लिए न्यूनतम स्थानीय सामग्री की आवश्यकता को बढ़ाना, नई विनिर्माण सुविधाओं के लिए 15% रियायती कॉर्पोरेट कर दर को बहाल करना शामिल हो सकता है। इसके अलावा, इलेक्ट्रॉनिक्स वैश्विक मूल्य श्रृंखला को एकीकृत करने पर 2019 की नीति में संसोधन किया जा सकता है। उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना को इलेक्ट्रॉनिक घटकों तक भी विस्तारित किए जाने की उम्मीद है।

तीन साल में छह मॉडल पेश करेगी टीवीएस की नॉर्टन मोटरसाइकिल्स

- नॉर्टन अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, इटली और भारत पर शुरुआती ध्यान केंद्रित करते हुए अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रही

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

टीवीएस मोटर की इकाई नॉर्टन मोटरसाइकिल्स ने बुधवार को कहा कि उसकी अगले तीन साल में छह नए मॉडल उतारने की योजना है और वह भारत के अलावा अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस एवं इटली में बिक्री साझेदारों की मदद से अपना विस्तार करना चाहती है। टीवीएस मोटर ने नॉर्टन मोटरसाइकिल्स के लिए नए उत्पादों के शोध एवं विकास, गुणवत्ता इंजीनियरिंग और उत्पादन में 20 करोड़ पाउंड का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। ब्रिटिश मोटरसाइकिल विनिर्माता नॉर्टन ने बयान में कहा कि अगले साल से नए उत्पाद पेश करने की योजना बनाई जा रही है। कंपनी की अगले तीन साल में छह नए मॉडल लाने की योजना है। बयान के मुताबिक, नॉर्टन अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, इटली और भारत पर शुरुआती ध्यान केंद्रित करते हुए अंतरराष्ट्रीय मौजूदगी बढ़ाने की तैयारी कर रही है। टीवीएस मोटर कंपनी के प्रबंध निदेशक सुदर्शन वेणु ने कहा, 'नॉर्टन ब्रांड को लेकर हमारा दृष्टिकोण, प्रतिबद्धता और निवेश एक रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहा है। हम इसे दुनियाभर के मोटरसाइकिल चालकों के साथ साझा करने को उत्सुक हैं।'

निवेशकों के लिए निवेश के नए विकल्प तैयार करने पर विचार

सेबी का नया प्रस्ताव लाभ कमाने का देगा मौका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के उच्च जोखिम लेने वाले निवेशकों के लिए निवेश का नया उत्पाद पेश करने का प्रस्ताव उन्हें पेशेवरों के जरिए प्रबंधित वायदा एवं विकल्प बाजार से लाभ लेने का मौका देगा। साथ ही उन्हें 'लांग और शॉर्ट इक्विटी' कोष, 'रिवर्स ईटीएफ' आदि जैसी रणनीतियों के नए विकल्प तक पहुंच प्राप्त करने का मौका दे सकता है। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है।

बाजार नियामक 10 लाख रुपए से 50 लाख रुपए के बीच निवेश योग्य कोष वाले निवेशकों के लिए निवेश के नए विकल्प तैयार करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद म्यूचुअल फंड और पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं के बीच अंतर को पाटना है। मुख्य कार्यपालक अधिकारी राधिका गुप्ता ने कहा, 'भारत आखिरकार विभिन्न निवेश उत्पादों के लिए खुल रहा है। यह 'इनवर्स ईटीएफ' जैसी रणनीति अपनाकर लाभ कमाने का मौका दे सकता है। यानी निवेश का अब कोई एक रास्ता नहीं है।' संबंधित 'बेंचमार्क' के मूल्य में गिरावट से लाभ के लिए विभिन्न डेरिवेटिव का उपयोग करके बनाया जाता है। नियामक ने अपने परामर्श पत्र में कहा कि नया परिसंपत्ति वर्ग निवेशकों की उभरती श्रेणी की जरूरतों को पूरा करने के लिए एसआईपी, उच्च जोखिम लेने की क्षमता जैसी सुविधाओं के साथ एक विनियमित उत्पाद प्रदान करेगा।

- 10 लाख रुपए से 50 लाख रुपए के बीच निवेश योग्य कोष वाले निवेशकों के लिए निवेश के नए विकल्प तैयार करने पर विचार कर रहा

न्यूनतम 10 लाख रुपए के निवेश का सुझाव

सेबी ने नये परिसंपत्ति वर्ग के लिए न्यूनतम 10 लाख रुपए के निवेश का सुझाव दिया है। इसमें केवल जोखिम से बचाव और पुनर्संतुलन से परे उद्देश्यों के लिए वायदा एवं विकल्प में निवेश करने की अनुमति दी जा सकती है। यह कदम 10 लाख रुपए से 50 लाख रुपए के बीच निवेश योग्य कोष वाले निवेशकों को आकर्षित करेगा, जो अनधिकृत और गैर-पंजीकृत पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवा प्रदाताओं की ओर आकर्षित हो रहे हैं।

इटली में गुलामी से मुक्त कराए गए 33 भारतीय, बताए दर्दनाक हालात

छुड़ाए गए 33 भारतीयों ने इटली जाने और वहां वर्क परमिट (काम करने की इजाजत) हासिल करने के लिए 15.45 लाख रुपए चुकाए थे इसके बावजूद उन्हें जो वर्क परमिट दिया गया वह जाली था। पुलिस ने बताया कि कई भारतीयों से 11.78 करोड़ रुपए और लिए गए थे। इसके बदले उन्हें परमानेंट वर्क परमिट देने का लालच दिया गया था।

एजेंसी ▶▶ रोम

इटली में गुलामों की तरह काम कर रहे 33 भारतीयों को छुड़ाया गया है। ये भारतीय वहां बेहद ही दर्दनाक हालात में जीने को मजबूर थे। जानकारी के मुताबिक, इटली के खेतों में इन भारतीयों से एक दिन में 10 घंटे से ज्यादा समय तक काम करवाया जाता है। इन्हें कोई छुट्टी नहीं दी जाती थी और कई बार तनख्वाह भी रख ली जाती थी।

पासपोर्ट भी जब्त कर लिए गए

इन भारतीयों को टूटे-फूटे घर में रखा गया और उनके पासपोर्ट भी जब्त कर लिए गए थे। इटली की पुलिस ने भारतीयों को गुलाम बनाकर रखने के आरोप में 2 अन्य भारतीयों को गिरफ्तार कर इनके पास से 4.17 करोड़ रुपए बरामद किए हैं। पुलिस को आशंका है कि दोनों आरोपी अच्छी सैलेरी का लालच देकर भारतीयों को इटली लाए थे। उनके पास से जो पैसे बरामद हुए वह उन्हें सस्ते दाम में लेबर मुहैया कराने पर मिले थे।

भागने पर दी जाती थी मारने की धमकी

खेतों पर काम कर रहे एक-चौथाई लोग मानव तस्करी के शिकार

इटली में पहले भी मजदूरों की तस्करी के मामले सामने आ चुके हैं। साल 2018 में इटली की पुलिस ने बताया था कि देश में खेतों पर काम करने वाले एक-चौथाई मजदूर तस्करी कर लाए गए हैं। इन्हें एक गैंग के जरिए ऑपरेट किया जाता है। इटली में 11% कामगार ब्लैक मार्केट के जरिए काम करते हैं। इनका कोई रेजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है। ये सभी कामगार और इनके मालिक टैक्स भी नहीं भरते हैं, जिससे मानव तस्करी को बढ़ावा मिलता है।

15 लाख रुपए लेकर दिया नकली वर्क परमिट

छुड़ाए गए 33 भारतीयों ने इटली जाने और वहां वर्क परमिट (काम करने की इजाजत) हासिल करने के लिए 15.45 लाख रुपए चुकाए थे इसके बावजूद उन्हें जो वर्क परमिट दिया गया वह जाली था। पुलिस ने बताया कि कई भारतीयों से 11.78 करोड़ रुपए और लिए गए थे। इसके बदले उन्हें परमानेंट वर्क परमिट देने का लालच दिया गया था। भारतीय कामगार इटली से भाग न सकें, इसके लिए दोनों आरोपियों ने उनके पासपोर्ट भी छीन लिए थे।

पूर्व में हो चुकी एक भारतीय की मौत

इटली में पिछले महीने खेत पर काम कर रहे एक भारतीय की मौत हो गई थी। खेत में घास काटते वक्त मशीन से 30 साल के सतनाम का हाथ कट गया था। घटना के बाद मदद करने की बजाय उसके मालिक ने उसे घर के पास एक सड़क किनारे अकेला छोड़ दिया था। इस घटना के बाद पुलिस हरकत में आई थी।

आतंकियों की तलाश में खंगाला जा रहा चप्पा-चप्पा

डोडा में देर रात... फिर हुई मुठभेड़, सुरक्षा बलों का सर्च ऑपरेशन, जल्द दबोचे जाएंगे

डोडा में मंगलवार देर रात एक बार फिर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकी घने जंगल में भाग निकले। बुधवार भोर होने के साथ ही फिर तलाशी अभियान शुरू किया गया।

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू संभाग के जिला डोडा में मंगलवार देर रात एक बार फिर सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अंधेरे का फायदा उठाकर आतंकी घने जंगल में भाग निकले। बुधवार सुबह होते साथ ही फिर तलाशी अभियान शुरू किया गया। डोडा के देसा के जंगल में सोमवार को हुई मुठभेड़ में एक कैप्टन समेत चार जवान बलिदान हो गए थे। इसके बाद से ही आतंकियों की तलाश में गहन सर्च ऑपरेशन चल रहा है। डोडा जिले के देसा के जंगलों में सोमवार रात भारी हथियारों से लैस आतंकियों के साथ हुई मुठभेड़ में सेना के एक कैप्टन, नायक समेत चार जवान बलिदान हो गए। जबकि जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष ग्रुप का एक जवान घायल है। सुरक्षाबल इलाके को घेरकर सघन तलाशी अभियान चला रहे हैं। दहशतगर्दों को खोजने के लिए पैरा कमांडो, डॉग स्क्वायड के साथ हेलिकॉप्टर व ड्रोन की मदद भी ली जा रही है। मुठभेड़

स्थल पर अतिरिक्त जवानों को भेजा गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सेना प्रमुख से डोडा घटना की जानकारी ली। बलिदानियों की शिनाख्त कैप्टन बृजेश थापा (दार्जिलिंग), नायक डी राजेश (आंध्र प्रदेश), सिपाही बिजेंद्र (झूंझनू, राजस्थान) और सिपाही अजय (झूंझनू, राजस्थान) के रूप में हुई है। मंगलवार को जम्मू में उप राज्यपाल मनोज सिन्हा व सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी। इसके बाद सभी बलिदानियों के पार्थिव शरीर उनके गृह प्रदेश के लिए रवाना कर दिया गया।

आतंकी हमले को लेकर लोगों में उबाल पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया...

डोडा में हुए आतंकी हमले के विरोध में लखनपुर से लेकर जम्मू संभाग में विभिन्न जगहों पर कांग्रेस सहित अन्य संगठनों के सदस्यों ने पाकिस्तान के खिलाफ प्रदर्शन किया और पुतले जलाए। हमले को लेकर लोगों में उबाल देखने को मिला। शहीदी चौक स्थित कांग्रेस मुख्यालय के बाहर मंगलवार को पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं ने डोडा आतंकी हमले के विरोध में प्रदर्शन किया। उन्होंने बलिदानियों और सुरक्षाबलों के समर्थन में नारे लगाते हुए भाजपा सरकार पर आतंकवाद पर नकेल कसने में विफल रहने के आरोप लगाए।

आतंकवाद का गढ़ रहा है डोडा

डोडा जिला करीब 15 साल पहले सामूहिक रूप से विशेष समुदाय के लोगों को बंधक बनाकर कई नरसंहार और कान व नाक काटने जैसी नृशंस आतंकी वारदातों का गवाह रहा है। इस जिले में पिछले दो माह में पांच से अधिक आतंकी वारदातें हो चुकी हैं। संदिग्धों के देखे जाने की लगातार सूचनाएं मिल रही हैं। दशकों पुराने आतंकवाद का सफाया करने के बाद 2005 से 2021 के बीच अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण रहे जम्मू क्षेत्र में पिछले एक महीने में आतंकी हमलों में तेजी देखी जा रही है।

सेना बलिदानियों के परिवारों के साथ

सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और सेना के सभी रैंक के जवानों ने आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले बहादुरों को श्रद्धांजलि दी। सेना के अतिरिक्त लोक सूचना महानिदेशालय ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, दुख की इस घड़ी में भारतीय सेना शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़ी है।

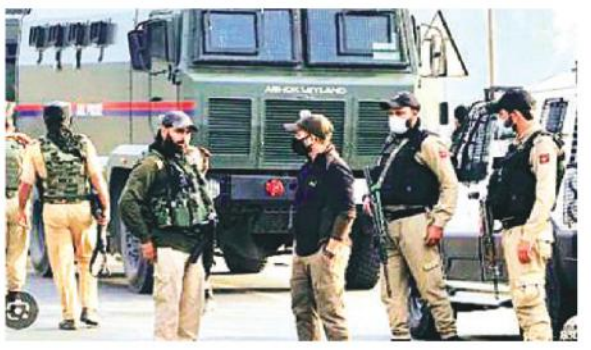

यूएनजीए में बोले भारत के सैन्य सलाहकार भल्ला

भारत ने हमेशा शांति स्थापना में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

कर्नल ने विश्व शांति स्थापना में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला

एजेंसी ▶▶ न्यूयार्क

संयुक्त राष्ट्र महासभा में सैन्य सलाहकार कर्नल आशीष भल्ला ने बुधवार को विश्व शांति स्थापना में भारत की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत ने हमेशा शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। पीसबिल्डिंग रिपोर्ट पर संयुक्त बहस में भारत की तरफ से कर्नर आशीष भल्ला ने शिक्षा को शांति निर्माण का एक प्रमुख घटक बताया। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति बनाए रखने के लिए भारत ने हमेशा शांति निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। कर्नल आशीष भल्ला ने कहा कि हम दक्षिण के देशों के साथ व्यापक विकास साझेदारी के माध्यम से शांति स्थापित करने में लगे हुए हैं।

क्रोएशिया और ब्राजील को दी बधाई

कर्नल भल्ला ने पिछले साल शांति स्थापना आयोग के नेतृत्व के लिए क्रोएशिया को और इस साल आयोग का नेतृत्व किया है उसके लिए ब्राजील को भी बधाई दी। उन्होंने 2017 में स्थापित भारत संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष पर प्रकाश डालते हुए वैश्विक विकास के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता पर बात की। उन्होंने बताया कि केवल पांच वर्षों में, फंड ने 56 विकासशील देशों के अध्यक्ष के साथ साझेदारी में 75 दक्षिण-नेतृत्व वाली विकास परियोजनाओं का समर्थन किया है। कर्नल भल्ला ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अन्य अंगो और सार्वजनिक संस्थाओं की भूमिका के दोहराव से बचने की जरूरत है। इसी के साथ उन्होंने शांति स्थापना में भारत की निरंतरता प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया।

पीसीबी रिपोर्ट की सराहना की

कर्नल भल्ला ने 2023 की पीसीबी रिपोर्ट को आयोग द्वारा दी गई सकारात्मक पहल का प्रमाण बताया। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना चुनौतियों का समाधान करने और संघर्ष की स्थितियों में शांति बनाए रखने के लिए दूरंदेशी एजेंडा को अच्छी तरह से डिजाइन किया गया है। कर्नल भल्ला ने क्षेत्रीय शांति पहलों के समर्थन में शांति निर्माण आयोग के काम की सराहना की। उन्होंने आगे कहा, हम पीसीबी की भी सराहना करते हैं, क्योंकि इन्होंने निर्णय लेने और राजनीतिक प्रक्रियाओं में महिलाओं की पूर्ण और समान भागीदारी, सुरक्षा क्षेत्र के सुधारों को आगे बढ़ाने जैसे मुद्दों पर निरंतर काम किया।

इजराइल ने गाजा के स्कूल पर की एयर स्ट्राइक, 57 की मौत

एजेंसी ▶▶ जेरूसलम

इजराइल की सेना ने गाजा के एक स्कूल पर एयर स्ट्राइक की। इस हमले में 57 लोगों की मौत हो गई। वहीं 73 से ज्यादा घायल हो गए। ये स्कूल संयुक्त राष्ट्र का था, जिसमें शरणार्थियों को रखा गया था। बता दें कि 15 दिन में इजराइली सेना का ये तीसरा हमला है। गाजा के खान यूनुस में नासिर अस्पताल घायलों की भीड़ से भर चुका है। पिछले हफ्ते इजराइल की सेना ने फिलिस्तीन के लोगों को खान यूनिस को खाली करने का ऑर्डर दिया था। इसके बाद वहां 3 बड़े अस्पतालों को बंद कर दिया गया था। संयुक्त राष्ट्र ने इसे खतरनाक कदम बताया है।

खबर संक्षेप

पाक में सेना के ठिकाने पर हमला, 18 की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में आतंकवाद काफी फैल चुका है। लंबे समय तक पाकिस्तान ने आतंकवाद को पनाह देने के साथ ही दूसरे देशों के खिलाफ आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने में मदद भी की। पख्तूनख्वा प्रांत के बन्नू जिले में पाकिस्तानी सेना की एक छावनी पर 10 आतंकियों ने हमला कर दिया। जिसमें 8 पुलिसकमी और 10 आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने आतंकियों के हमले के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की।

दुबईः राजकुमारी ने पति को इंस्टाग्राम पर दिया तलाक

नई दिल्ली। दुबई की राजकुमारी शेखा माहरा ने एक चौंकाने वाला फैसला लिया है। उन्होंने अपने पति शेख माना से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर तलाक दे दिया है। इस दौरान उन्होंने पति के बारे में एक चौंका देने वाला खुलासा भी किया है। उनका दावा है कि उनके पति अन्य साथियों के साथ बिजी हैं, इसलिए उन्होंने उन्हें तलाक दिया है। दुबई की राजकुमारी शेखा माहरा इस समय अपने तलाक को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने एक चौंका देने वाली घोषणा करते हुए इंस्टाग्राम पर अपने पति शेख माना से तलाक की खबर शेयर की है।

जिनपिंग की बढ़ी टेंशन

चीन से चिढ़ा फिलीपींस, भारत से फिर खरीदना चाहता है 'मिसाइल'

एजेंसी ▶▶ मनीला

चीन और फिलीपींस के बीच तनाव देखने को मिल रहा है। विवादित दक्षिण चीन सागर में चीन को निशाने पर लेने के लिए फिलीपींस को भारत निर्मित ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों की जरूरत है। फिलीपीन मरीन कॉर्प्स ने 2026 तक तट-आधारित सुपरसोनिक एंटी-शिप मिसाइल की दो अतिरिक्त बैटरियों के साथ अपनी तटीय सुरक्षा को मजबूत करने की योजना बनाई है। (पीएमसी) को पहले से ही तीन ब्रह्मोस बैटरियां मिलने वाली हैं। प्रत्येक बैटरी में चार लॉन्चर होते हैं। हर लॉन्चर 290 किमी तक टार्गेट को हिट कर सकता है। जानकारी के मुताबिक फिलीपींस की संभावित अतिरिक्त खरीद से भारत के रक्षा निर्यात को बढ़ावा मिलेगा और पूर्वी एशियाई हथियारों की होड़ के बीच ब्रह्मोस की मार्केटिंग होगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिलीपीन सेना मिसाइलों की खरीद पर भी विचार कर रही है।

भारत और फिलीपींस दोनों का चीन से तनाव

दक्षिण चीन सागर में मनीला की चीन के साथ और दिल्ली की हिमालय में चीन के साथ झड़पों के बीच फिलीपींस और भारत के बीच रक्षा संबंध गहरे हुए हैं। इसमें कहा गया है कि दक्षिण चीन सागर में चीन की आक्रामक कार्रवाइयों का मुकाबला करने के लिए फिलीपींस के लिए ब्रह्मोस मिसाइल की डिलीवरी महत्वपूर्ण है।

शिवाजी का वाघ नख लंदन से मुंबई आया

मुंबई। छत्रपति शिवाजी महाराज के पौराणिक हथियार 'वाघ नख' को लंदन से मुंबई लाया गया है। राज्य के संस्कृति मंत्री सुधीर मुनगंटीवार ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा इस्तेमाल किया गया 'वाघ नख' या बाघ के पंजे के आकार का हथियार बुधवार को लंदन के एक म्यूजियम से मुंबई लाया गया। इस 'वाघ नख' को अब सतारा ले जाया जाएगा। पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा में इसे 19 जुलाई से प्रदर्शनी के लिए रखा जाएगा। मंत्री मुनगंटीवार ने एक सवाल के जवाब में बताया कि 'वाघ नख' मुंबई आ चुका है, लेकिन उन्होंने कोई और जानकारी नहीं दी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रदेश के उत्पाद शुल्क मंत्री शंभूराज देसाई ने कहा कि 'वाघ नख' का सतारा में भव्य स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बातचीत में कहा कि लंदन से लाए गए हथियार को बुलेटप्रूफ कवर दिया गया है और सुरक्षा बढ़ा दी गई है। हथियार को सात महीने तक सतारा के एक म्यूजियम में रखा जाएगा।

न्यूजीलैंड में मिली दुनिया की सबसे दुर्लभ व्हेल

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड के समुद्र तट पर वैज्ञानिकों को मरी हुई व्हेल मिली है। दरअसल यह व्हेल मछली समुद्र की इतनी गहराई में रहती है कि इसे कभी भी लोगों ने जिंदा नहीं देखा। इसकी चोंच पांच मीटर लंबी है। व्हेल के शरीर को कोल्ड स्टोरेज में रखा गया है ताकि इसकी और जांच की जा सके अब तक सिर्फ इसके छह नमूने मिले हैं।

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा

भारत एक रणनीतिक साझेदार, अमेरिका इस सहयोग को बढ़ाने के लिए तत्पर

यूक्रेन-रूस संघर्ष पर पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने कहा कि जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है। आखिरकार यह यूक्रेन पर निर्भर करता है कि वह कब शांति के लिए बातचीत करने के लिए तैयार है।

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका का रक्षा विभाग आए दिन भारत के साथ अपने संबंधों को सराहता दिखता है। एक बार फिर पेंटागन ने साफ कर दिया कि भारत एक रणनीतिक सहयोगी है और अमेरिका इस साझेदारी को विकसित करने के लिए तत्पर है।

हम साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं

पेंटागन के प्रेस सचिव पैट राइडर ने मंगलवार को वाशिंगटन में एक संवाददाता सम्मेलन में यह बात कही। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि भारत एक रणनीतिक साझेदार है। हम इस साझेदारी को आगे विकसित होते देखना चाहते हैं। यूक्रेन-रूस संघर्ष पर राइडर ने कहा कि जब बात यूक्रेन और रूस के अवैध कब्जे और यूक्रेन पर हमले की बात आती है।

सितंबर में होगा तीसरा सम्मेलन

पिछले महीने बताया था कि तीसरा इंडस-एक्स शिखर सम्मेलन सितंबर 2024 में सिलिकॉन वैली में होगा, जिसमें रक्षा नवाचार के लिए निजी पूंजी का इस्तेमाल करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यूक्रेन के बिना कोई फैसला नहीं

उन्होंने आगे कहा कि अभी हमारा ध्यान यूक्रेन के साथ काम करने पर है ताकि उन्हें अपने देश की रक्षा करने, अपनी संप्रभुता की रक्षा करने और अपने क्षेत्र को वापस लेने के लिए जरूरी मदद की जा सके। हालांकि, यूक्रेन के बिना यूक्रेन के बारे में कोई फैसला नहीं लिया जा सकता है।

ट्रंप पर फिर हमले की साजिश

कन्वेंशन सेंटर के बाहर पुलिस ने चाकू लहरा रहे शख्स को किया ढेर

एजेंसी ▶▶ मिल्वौकी

अमेरिका में हाल ही में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर गोली चला दी गई थी। इसके बाद ट्रंप रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन में भाग लेने के लिए मिल्वौकी गए हैं। नेशनल कन्वेंशन से पांच पुलिस अधिकारियों की तरफ से एक शख्स पर गोली चलाने का मामला सामने आया है। विस्कॉन्सिन में पांच ओहियो पुलिस अधिकारियों ने कन्वेंशन के पास चाकू से लड़ाई कर रहे एक व्यक्ति पर गोली चला दी, जिससे उसकी मौत हो गई।

दोनों हाथों में था चाकू

कोलंबस, ओहियो पुलिस विभाग के सदस्यों ने जिस व्यक्ति को गोली मारी, उसके दोनो हाथों में चाकू था और उसने पुलिस के आदेशों को स्वीकार करने से मना कर दिया था। मिल्वौकी प्रमुख ने आगे ये भी बताया कि शख्स के पास से दो चाकू और एके-47 बरामद किए गए हैं। कन्वेंशन में ही पार्टी की तरफ से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर आधिकारिक मुहर लगी। सोमवार से शुरू और गुरुवार को समाप्त होने वाले सम्मेलन के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई न्यायक्षेत्रों के हजारों अधिकारी मिल्वौकी में हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)